वर्ष : 18 अंक :77 | दिल्ली | गुरुवार 17 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रू.

नई दिल्ली, उत्तरप्रदेश , मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

सांध्य पहल

नई दिल्ली में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

आज का तापमान

अधिकतम 27.5 डिग्री

न्यूनतम 26 डिग्री

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते

सीडीएस बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही, स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। CDS ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी C-UAS (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना

होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। CDS ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में UAV (अनमैंड एरियल व्हीकल) और C-UAS (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं। CDS बोले- सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

3 जून को कहा था– PAK की प्लानिंग 8 घंटे में फेल हुई CDS जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में भविष्य के युद्ध और युद्ध विषय पर लेक्चर में कहा था, 10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा था कि पहलगाम में जो कुछ हुआ उससे कुछ हफ्ते पहले ही पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। पहलगाम में जो हुआ वह क्रूरता थी।

एथलीट फौजा सिंह को टक्कर मारने वाला एनआरआई गिरफ्तार

जालंधर,एजेंसी। पंजाब के जालंधर में 114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह को टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान करतारपुर के दासूपुर गांव के रहने वाले NRI अमृतपाल सिंह ढिल्लों (27) के रूप में हुई है। अमृतपाल सिंह 8 दिन पहले ही कनाडा से लौटा था। पुलिस ने उससे फॉर्च्यूनर (PB 20C 7100) भी बरामद कर ली है। मंगलवार रात को उसे थाना भोगपुर में लाया गया था, जहां उससे पूछताछ की गई। आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

फौजा सिंह को 14 जुलाई को गंभीर हालत में जालंधर के निजी अस्पताल में ले जाया गया था। वहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अभी तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि उनके बेटे, बेटियां और अन्य रिश्तेदार कनाडा से आ रहे हैं। उनके आने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में छह ब्लाइंड स्पॉट्स

फ्यूल स्विच कैसे बंद हुआ, पायलटों के बीच आखिरी बातचीत की टाइमिंग बदल सकती है थ्योरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में 12 जून को टेकऑफ के महज 32 सेकेंड के भीतर क्रैश हुई एअर इंडिया की फ्लाइट बोइंग AI-171 की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भले सार्वजनिक हो चुकी हो, लेकिन इसके नतीजों ने कई तीखे सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में विमानन दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) अपनी अंतिम रिपोर्ट को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। सूत्रों के अनुसार, जांच अब 6 ऐसे तकनीकी और प्रक्रियात्मक बिंदुओं पर केंद्रित की गई है, जिनमें कोई भी एक फैक्टर पूरे हादसे की प्रकृति बदल सकता है। दरअसल, शुरुआती रिपोर्ट में दोनों इंजनों के फ्यूल कंट्रोल स्विच 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति में जाने को हादसे की मुख्य वजह माना गया है।

ओडिशा में नशे में धुत ऑटो चालक ने हथौड़े से माता-पिता की हत्या की

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक नशे में धुत ऑटो चालक ने कथित तौर पर अपने माता-पिता की हथौड़े से हत्या कर दी। इसके बाद उसने खून से लथपथ हालत में शवों के साथ रात बिताई। यह दिल दहला देने वाली घटना मंगलवार रात बैसिंगा थाना क्षेत्र के ढोनापाल गांव में हुई।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी:पुलिस ने बुधवार को बताया कि स्थानीय लोगों ने बुधवार सुबह बुजुर्ग दंपति हादिबंधु साहू (81) और शांति साहू (72) के शवों को उनके बेटे हिमांशु (55) के साथ एक चारपाई पर बैठे देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हिमांशु को गिरफ्तार किया।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले

पीएम मोदी को लेटर लिखा; कहा- मानसून सत्र में बिल लाया जाए

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने क्क्रू मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए।

राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे।

जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की कानूनी प्रक्रिया

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुर्नगठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे। राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

राजस्थान में भारी बारिश, 2 दिन में 18 की मौत

बिहार में बाढ़ के हालात, मुंगेर-गयाजी में पुल बहा; वाराणसी में 84 घाट डूबे

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। राजस्थान में दो दिन से भारी बारिश जारी है। इससे जुड़ी घटनाओं में 18 लोगों की मौत हुई है। जयपुर, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले के कई निचले इलाकों में 4-5 फीट तक पानी भर गया है। बूंदी में मेज नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बिहार में तेज बारिश से बाढ़ के हालात हैं। मुंगेर और गयाजी में पुल बह गया है। औरंगाबाद में अटल बिगहा गांव में 500 घर डूब गए हैं। मध्य प्रदेश में तेज बारिश का दौर मंगलवार को भी जारी रहा।

ग्वालियर, भोपाल, इंदौर समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। उत्तर प्रदेश में तेज बारिश जारी है। हाथरस में आधे घंटे में 6 इंच पानी बरसा। राज्य की ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ की स्थिति है।

वाराणसी में भी गंगा उफान पर है। 84 घाट पूरी तरह से डूबे हुए हैं। ललितपुर के माताटीला बांध के 18 गेट और गोविंद सागर बांध के 8 गेट खोले गए हैं।

पहाड़ी राज्य उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश जारी है। हिमाचल की 200 और उत्तराखंड की 58 सड़कें लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गई हैं। आज भी दोनों राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

हिमाचल में बाढ़ में बहा परिवार, 11 महीने की बच्ची बची, 150 परिवारों ने गोद लेने की इच्छा जताई; प्रशासन ने बैंक अकाउंट खुलवाया

मंडी,एजेंसी। हिमाचल के मंडी में 30 जून की रात बादल फटने से आई बाढ़ में पूरा परिवार बह गया। घर में सिर्फ 11 महीने की बच्ची नितिका बची है। उसके पिता का शव मिल चुका है, जबकि मां और दादी का अभी तक सुराग नहीं लग पाया है। फिलहाल नितिका अपनी बुआ के पास रह रही है। बादल फटने की घटना के बाद गोहर की SDM स्मृतिका नेगी नितिका के घर पहुंची थीं। यहां उन्होंने उसे गोद में उठाया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर नितिका की SDM की गोद में खेलते हुए का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद 150 से ज्यादा परिवारों ने उसे गोद लेने की इच्छा जताई। रिश्तेदारों का कहना है कि दूसरे देशों से भी उनके पास फोन आ रहे हैं। प्रशासन की तरफ से नितिका का बैंक में अकाउंट खुलवाया गया है, जिसमें लोग आर्थिक मदद कर रहे हैं।

कर्नाटक में 2 लेक्चरर समेत 3 गिरफ्तार, छात्रा को नोट्स देने के बहाने बुलाकर रेप किया

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में मंगलवार को तीन लोग बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किए गए। इसमें मूडबिद्री इलाके के निजी कॉलेज के दो लेक्चरर शामिल हैं। पीड़ित उसी कॉलेज की स्टूडेंट है, जिसमें दोनों पढ़ाते हैं। राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद ये गिरफ्तारियां हुई हैं। घटना एक महीने से ज्यादा पहले की है, लेकिन मामला तब सामने आया जब छात्रा ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी। इसके बाद महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई। आयोग के निर्देश पर पुलिस ने FIR दर्ज की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। **अब समझिए क्या है पूरा मामला :**आरोपी नरेंद्र फिजिक्स का जबकि संदीप बायोलॉजी का लेक्चरर है। तीसरे आरोपी की पहचान अनूप के रूप में हुई है। यह दोनों लेक्चरर का दोस्त है। पुलिस के अनुसार, नरेंद्र ने छात्रा को नोट्स देने के बहाने बेंगलुरु बुलाया और अनूप के घर पर उसका बलात्कार किया। नरेंद्र ने धमकी दी कि अगर घटना के बारे में किसी को बताया तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

लद्दाख में मिनी बस खाई में गिरी, 2 की मौत, 8 गंभीर रूप से घायल

17 यात्री सवार थे, ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हादसा हुआ

नई दिल्ली,एजेंसी। लद्दाख के कारगिल जिले के गुमरी में बुधवार सुबह मिनी बस खाई में गिर गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अन्य 6 को हल्की चोटें आई हैं। वाहन चालक हादसे में सुरक्षित बच गया है। मिनी बस में 17 यात्री सवार थे और द्रास की ओर जा रही थी, जब अचानक रास्ते में वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पिछले 4 महीनों में 4 हादसों में 14 लोगों की मौत :मंगलवार को डोडा में बस गिरी, पांच लोगों की मौत । मंगलवार को भी जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक मिनी बस के खाई में गिर गई थी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की जगह से चार शव बरामद किए गए थे, जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले के चीफ मेडिकल ऑफिसर (CMO) ने बताया कि मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। कई घायलों की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार को डोडा-बराथ रोड पर पोंडा इलाके हुआ। मिनी बस के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने की खबर है।

कोर्ट ने शख्स को आठ साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न का दोषी माना

साबित नहीं हो सका दुष्कर्म का आरोप

ठाणे,एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने 2018 में आठ साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न मामले में फैसला सुनाया। कोर्ट ने मामले में गिरफ्तार आरोपी को यौन उत्पीड़न का दोषी माना। जबकि सबूतों के अभाव में उसे दुष्कर्म के आरोप से बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि साक्ष्यों को देखकर पता चलता है कि आरोपी ने पीड़िता से दुष्कर्म नहीं किया है।

पॉक्सो से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत के न्यायाधीश डीएस देशमुख ने आरोपी रमेश सिंह विजय बहादुर सिंह को यौन उत्पीड़न का दोषी ठहराया और उसे कारावास की अवधि (सात वर्ष और दो महीने की सजा सुनाई। जो कि आरोपी पहले ही काट चुका है। अदालत ने आरोपी पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। वहीं कोर्ट ने आरोपी को दुष्कर्म के आरोपों से बरी कर दिया।विशेष सरकारी वकील रेखा हिवराले ने बताया कि कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में चार अगस्त 2018 को मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें कहा गया था कि 29 अप्रैल, 2018 से 6 मई, 2018 के बीच 52 वर्षीय आरोपी ने सार्वजनिक शौचालय में नाबालिग का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता के पिता ने शिकायत तब दर्ज कराई जब उसके भाई ने आरोपी को अपराध करते देखा। पीड़िता ने भी यौन उत्पीड़न का खुलासा किया। आरोपी के अधिवक्ता संजय गायकवाड़ ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि पीड़िता की एकमात्र गवाही असंगत और अपर्याप्त थी। पुलिस और मजिस्ट्रेट को दिए गए उसके बयानों में विसंगतियां बताईं। जबकि पीड़िता के चाचा के घटना को देखने की बात भी गलत थी। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि मेडिकल जांच

रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न का समर्थन नहीं किया गया है। पीड़िता की गवाही की पुष्टि किसी भी स्वतंत्र साक्ष्य से नहीं हुई है। इस पर अदालत ने कहा कि दुष्कर्म के आरोप को साबित करने के लिए भौतिक साक्ष्यों का अभाव था। चिकित्सा अधिकारी को पीड़ित लड़की के गुप्तांग पर कोई चोट के निशान नहीं मिले। जबकि अभियुक्त की मेडिकल जांच में घर्षण के कारण चोटें पाई गईं। रिपोर्ट में यह कहा गया कि आरोपी केवल यौन उत्पीड़न करने में सक्षम है, न कि उसने ऐसा किया था।

न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह को दिए गए अपने इतिहास में पीड़िता ने स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न का जिक्र नहीं किया। उसने केवल इतना कहा कि अभियुक्त ने सार्वजनिक शौचालय में उसके गुप्तांग को छुआ। अदालत ने कहा कि इसलिए दुष्कर्म के आरोप लागू नहीं होते। जबकि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि पीड़िता के साथ आरोपी ने यौन उत्पीड़न किया है। आरोपी की उम्र, उसके परिवार की निर्भरता और उसकी गिरफ्तारी के बाद से जेल में बिताए गए सात साल से अधिक समय को ध्यान में रखते हुए अदालत ने सिंह को पहले से ही बिताई गई अवधि की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़िता को मुआवजा देने के लिए मामले को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), ठाणे को सौंपने की सिफारिश की है।

महाराष्ट्र में कपल ने चलती बस से नवजात को फेंका, कुछ मिनट पहले बस में ही डिलीवरी हुई थी

कहा- पाल नहीं सकते थे इसलिए मार डाला

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के परभणी में एक युवती ने चलती बस में बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद महिला और उसके साथ मौजूद शख्स ने नवजात को बस की खिड़की से बाहर फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे पथरी-सेलू रोड की है। ऋतिका ढेरे (19) नाम की महिला पुणे से परभणी जाने के लिए स्लीपर बस में अल्ताफ शेख के साथ सफर कर रही थी। शेख खुद को महिला का पति बता रहा था। यात्रा के दौरान ऋतिका को लेबर पेन शुरू हो गया।ऋतिका ने बस में ही बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद ऋतिका और अल्ताफ ने नवजात को कपड़े में लपेटा और चलती बस से बाहर फेंक दिया। पुलिस जांच में दोनों ने बताया कि वे बच्चे का पालन-पोषण करने में असमर्थ थे, इसलिए बस से फेंक दिया था।

ड्राइवर ने पूछा तो कहा- पत्नी को उल्टी हुई

बस के ड्राइवर ने देखा कि खिड़की से बाहर कुछ फेंका गया है। जब उसने शेख से इस बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसकी पत्नी को उल्टी हुई थी। इसी बीच सड़क पर एक व्यक्ति ने भी देखा कि बस से कुछ फेंका गया है। जब उसने पास जाकर देखा, तो वह नवजात बच्चा था। उसने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम ने बस रुकवाई। बस की जांच और शुरुआती पड़ताल के बाद ऋतिका और शेख को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों परभणी के रहने वाले हैं और पिछले डेढ़ साल से पुणे में रह रहे थे। दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताया लेकिन इसे साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं दे पाए। दंपती के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 94(3), (5) (जन्म छिपाने और शव को ठिकाने की कोशिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ओल्ड गोविंदपुरा की चार मंजिला इमारत में लगी आग, झुलसकर दो लोगों की हुई मौत,

नई दिल्ली,एजेंसी। शाहदरा जिला के जगतपुरी स्थित ओल्ड गोविंदपुरा के चार मंजिला इमारत में मंगलवार रात अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की 9 गाड़ियां मौके पर पहुंची। इमारत में 10 लोग फंसे थे। पुलिस व दमकल कर्मियों ने पड़ोसियों की मदद से 6 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।

वहीं, चार लोग पहली मंजिल पर फंस गए। किसी तरह दमकलकर्मी इमारत के अंदर दाखिल हुए और चारों को बाहर निकालकर हेड गेवार अस्पताल भेजा गया, जहां दो को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की शिनाख्त तनवीर (28) और नुसरत के रूप में हुई है। वहीं, आग में झुलसे फैजल और आसिफ (18) को जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

दमकलकर्मियों ने करीब पौने दो घंटे में किसी तरह आग पर काबू पाया। फिलहाल मौके पर कूलिंग का काम जारी है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस आशंका जता रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि मंगलवार रात करीब 8.45 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि ओल्ड गोविंदपुरा की एक इमारत में आग लग गई है। खबर मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब 35 से 40 गज की इमारत में ग्राउंड फ्लोर के अलावा ऊपर तीन मंजिल बनी हुई थी। दमकल की गाड़ी अंदर नहीं जा सकती थी। मेन रोड से पाइप जोड़कर घटना स्थल तक पानी पहुंचाया। मौके पर पहुंचे बचाव दल ने सबसे पहले ऊपरी मंजिलों से छह लोगों को सुरक्षित निकाला। जांच के दौरान पता चला कि पहली मंजिल पर मोबाइल की लिथियम बैटरी का गोदाम है। आग वहां लगी है और लोग वहां फंसे हैं।

दमकल कर्मियों ने किसी तरह पहली मंजिल की आग को काबू किया और अंदर घुस बाद में चारों को वहां से निकालकर अस्पताल भेजा गया। झुलसने से दो की मौत हो गई जबकि दो बुरी तरह जख्मी है। घटना स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल था। पुलिस मौके पर तैनात थी। दमकलकर्मी इमारत की तलाशी ले रहे थे।

भाजपा कार्यालय निर्माण पर टिप्पणी कांग्रेस की अपरिपक्व सोच: कपूर

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव की भाजपा कार्यालय निर्माण पर की गई आलोचना को ओछी और अपरिपक्व सोच करार दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन में कार्यालय न केवल प्रशासनिक ढांचा होते हैं, बल्कि कार्यकर्ताओं के निर्माण और संवाद की आधारभूमि भी होते हैं। कपूर ने तंज कसते हुए कहा, देवेन्द्र यादव एक ऐसी पार्टी से आते हैं, जिसकी दिल्ली की राजनीतिक ज़मीन लगभग खत्म हो चुकी है। कांग्रेस दशकों से जिला स्तर पर संगठन खड़ा नहीं कर पाई, ऐसे में उसे कार्यालय निर्माण की अहमियत समझ नहीं आ सकती। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, देवेन्द्र यादव के विरोध का एक बड़ा कारण यह भी है कि उन्होंने अपने नेताओं को संगठन के लिए कार्यालय बनाते नहीं, बल्कि नेशनल हेराल्ड जैसे भवनों को बेचकर निजी हितों के लिए इस्तेमाल करते देखा है। इसीलिए उन्हें भाजपा का संगठनात्मक विस्तार और कार्यालय निर्माण खटकता है। कपूर ने साफ कहा ढांचा तैयार कर रही है,।

आलीशान जिंदगी के लिए मैकेनिक से बना चोर, 26 लाख से ज्यादा के आभूषण और नकदी उड़ाने के आरोप में धरा गया

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने ठक-ठक गिरोह के एक सदस्य मदनगीर, नई दिल्ली निवासी सागर (24) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने सनलाइट कॉलोनी थाना क्षेत्र से कार से 26 लाख रुपये की कीमत के हीरे व सोने के आभूषण और नकदी उड़ा ली थी। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटे गए सोने और हीरे के आभूषणों का एक बड़ा हिस्सा बरामद किया है। आरोपी पहले इलाके में मैकेनिक का काम करता था लेकिन उसकी आलीशान जीवनशैली उसे अपराध की दुनिया में ले आई। वह पहले भी इसी तरह के छह आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव के अनुसार इंस्पेक्टर दलीप कुमार और इंस्पेक्टर प्रियंका के नेतृत्व में जबरन वसूली और अपहरण निरोधक शाखा की टीमों ने एक अभियान शुरू किया। गीता आनंद अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपनी क्रेटा कार में पुटकुल रोड से 24 जून को नई दिल्ली जा रही थीं। दोपहर लगभग 1:00 बजे, जब वे गेट नंबर चार, आईपी पार्क, रिंग रोड, नई दिल्ली के पास पहुंची, तो एक मोटरसाइकिल सवार ने विंडस्क्रीन पर दस्तक दी और कोई समस्या बताई। चालक ने जैसे ही कार रोकी और बाहर निकला, एक अन्य व्यक्ति ने उसका हैंडबैग छीन लिया। बैग में 1,25,000 रुपये नकद और 25 लाख से अधिक मूल्य के हीरे और सोने के आभूषण थे। सनलाइट कॉलोनी थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने डीएनडी फ्लाईओवर की ओर जाने वाले कैरिजवे पर आउटर रिंग रोड, किलोकरी गांव के पास 14 जुलाई को सूचना पर घेराबंदी की और सागर को गिरफ्तार कर लिया।

डीयू के नॉर्थ कैंपस कॉलेजों में सीटों से अतिरिक्त आवंटन नहीं होंगे

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में सीटों को भरने के लिए अतिरिक्त आवंटन का फॉर्मूला इस बार नॉर्थ कैंपस पर लागू नहीं होगा। इस तरह से पहली सीट आवंटन सूची में आईपी कॉलेज को छोड़कर बाकी नॉर्थ कैंपस के कॉलेजों में अतिरिक्त सीट आवंटित नहीं होंगी। हालांकि इन कॉलेजों में केवल भाषाओं के विषय में 50 फीसदी अतिरिक्त सीट आवंटित की जाएंगी। सांध्यकालीन व जिन कॉलेजों में सीटें नहीं भरती वहां 80-100 फीसदी तक अतिरिक्त सीटों का आवंटन किया जाएगा।

डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी ने बताया, डीयू कॉलेज के प्राचार्यों के साथ बैठक के बाद यह तय किया गया है कि दक्षिणी परिसर, पश्चिमी व बाहरी दिल्ली के कॉलेजों में अलग-अलग स्तर पर अतिरिक्त सीटों का आवंटन किया जाएगा। नॉर्थ कैंपस के एसआरसीसी, हिंदू, रामजस, किरोड़ीमल, हंसराज, दौलतराम कॉलेज में अतिरिक्त सीटों का आवंटन नहीं किया जाएगा। दरअसल यहां सीटें वैसे ही भर जाती हैं। जबकि इन कॉलेजों में हिंदी, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, बंगाली जैसे भाषाई कोर्सेज में 50 फीसदी अतिरिक्त आवंटित की जाएंगी। सांध्यकालीन कॉलेजों, अदिति, भगिनी निवेदिता, श्रद्धानंद समेत कॉलेजों में सामान्य, ओबीसी व ईडब्लयूएस श्रेणी के छात्रों के लिए 80 फीसदी अतिरिक्त सीटें आवंटित की जाएंगी। जबकि एससी-एसटी व पीडब्लयूडी श्रेणी में सीटों का आवंटन सौ फीसदी तक होगा। इन कॉलेजों में कई राउंड के बाद भी सीटें नहीं भर पाती हैं। वहीं राजधानी, शिवाजी, अरविंदो, देशबंधु, दयाल सिंह समेत 39 कॉलेजों में इकोनॉमिक्स, बीकॉम, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र व इतिहास जैसे प्रोग्राम में सामान्य, ओबीसी व ईडब्लयूएस श्रेणी के लिए 20 फीसदी अतिरिक्त सीटें आवंटित होंगी। जबकि बाकी पाठ्यक्रम में सामान्य, ईडब्ल्यूएस व ओबीसी श्रेणी के लिए 30-35 फीसदी अतिरिक्त सीटों का आवंटन होगा। जबकि एससी, एसटी व पीडब्ल्यूडी श्रेणी के छात्रों के लिए यह आवंटन 50 फीसदी तक होगा। यहां भाषाओं के कोर्स में भी 50 प्रतिशत तक सीटें अतिरिक्त दी जाएंगी। दरअसल छात्रों के इस साल चौथे वर्ष में प्रवेश करने के कारण डीयू ने सीटों को भरने के लिए यह रणनीति अपनाने का फैसला किया है।

शकरपुर गांव के लोग सीवर और जाम की समस्या से परेशान, ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जताई नाराजगी

नई दिल्ली,एजेंसी। कितने ताज्जुब की बात है न, जब चारों ओर ऊंची इमारतों से घिरी देश की राजधानी दिल्ली एक अलग ही चकाचौंध में नजर आती है, लेकिन वहीं दूसरी तरफ इसी चकाचौंध से कोसों दूर दिल्ली के गांव एक अलग ही कुंठा में जी रहे हैं। ऐसा ही एक गांव है पूर्वी दिल्ली स्थित शकरपुर। यह गांव सीवर, पेयजल, जाम, सड़कों पर गड्ढे और अन्य समस्याओं से जूझ रहा है। स्थानीय निवासियों ने इन समस्याओं के सामधान के लिए कई बार प्रशासन से शिकायत की लेकिन समाधान के नाम पर आश्वासन ही मिला है। महावीर तोमर, बालकराम तोमर, किशोरी तोमर, राजकुमार जैसवाल, रामसिंह व अन्य लोगों ने बताया कि चार गलियों के गांव में जल निकासी के लिए नाला नहीं बना है जिस वजह से नालियों का पानी घरों में भर जाता है। साथ ही 30 से 40 साल पहले बनी सीवर लाइन अब आबादी के मुकाबले छोटी है जिस वजह से सीवर ओवरफ्लो हो जाते हैं। ऐसे में गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है। इसके अलावा कभी गांव की मुख्य सड़क पर बस निकलती थी लेकिन आज अतिक्रमण के कारण पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क पर घंटों जाम लगा रहता है जिस कारण लोगों को परेशानी होती है। पेयजल में भी गंदा पानी मिलकर आता है जिस वजह से लोग आरओ का इस्तेमाल या फिर बोतल का पानी खरीदकर पी रहे हैं। गांव में दो से तीन स्कूल हैं जिनमें छुट्टी के दौरान असामाजिक तत्व स्कूल के बाहर खड़े होकर लड़कियों को परेशान करते हैं। इसके लिए प्रशासन को सुरक्षा के इंतजाम करने चाहिए।

स्थानीय लोगों ने साझा कीं समस्याएं : गांव में पहले एक कूड़ाघर था जिसे गौतम गंभीर की रसोई में बदल दिया गया। वह पिछले कई महीनों से बंद पड़ी है। प्रशासन से गुजारिश है कि इसमें गांव की डिस्पेंसरी खुलवा दी जाए जिससे गांव के लोगों को दवाएं मिल सकें। -मानसिंह गांव के खंभों पर तारों का जाल बना हुआ है। इन तारों में फंसकर कई बार हादसे हो चुके हैं। -खेमचंद गांव में साफ-सफाई ठीक से नहीं होती है। इस वजह से गांव की गलियों को कूड़ा पड़ा रहता है। -अशोक शर्मासंजय पार्क में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है जिस वजह से टहलने जाने वाली

कट्टरपंथी विचारों का प्रसार है अपराध: आरोपी को नहीं दी जमानत

नई दिल्ली ,एजेंसी। उच्च न्यायालय ने कहा है कि कट्टरपंथी जानकारी या विचारधारा के प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना यूएपीए के अंतर्गत आता है। यह आवश्यक नहीं है कि ऐसा कृत्य शारीरिक गतिविधि ही हो। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने यूएपीए की धारा 18 का विश्लेषण किया, जो आतंकवादी कृत्यों की साजिश, प्रयास, वकालत, उकसावे या उकसावे के लिए दंड से संबंधित है। अदालत ने कहा कि उक्त प्रावधान इतने व्यापक रूप से तैयार किया गया है कि कट्टरपंथी सूचना और विचारधारा के प्रसार के उद्देश्य से सोशल मीडिया या किसी भी डिजिटल गतिविधि का उपयोग भी इसके दायरे में आता है। पीठ ने यूएपीए के एक मामले में अरसलान फिरोज अहेनगर नामक व्यक्ति को जमानत देने से इन्कार करते हुए यह टिप्पणी की। उस पर आरोप था कि अहेनगर मेहरान यासीन शल्ला नामक व्यक्ति के प्रभाव में था। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डिजिटल रूप से सक्रिय था, जहां कट्टरपंथी सामग्री साझा की जा रही थी।

दिल्ली के 300 छोटे नालों का ड्रोन सर्वे करेगी सरकार, यमुना की निर्मलता के लिए फैसला

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी की निर्मलता वापस लाने के लिए सरकार ने नई योजना बनाई है। अब ड्रोन की मदद से उन 300 छोटे नालों का सर्वे होगा जो बिना ट्रीटमेंट के गंदगी को बड़े नालों में मिलाकर यमुना को प्रदूषित कर रहे हैं। नजफगढ़, शाहदरा और पूरक जैसे बड़े नाले यमुना के लिए सबसे बड़ी मुसीबत हैं। सरकार इन नालों की गंदगी का स्रोत ढूंढकर उसे रोकेगी। मंगलवार को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि दिल्ली के 22 बड़े नाले जिनमें नजफगढ़, शाहदरा और पूरक नाला शामिल हैं, यमुना में गंदगी डाल रहे हैं। इन बड़े नालों में 300 छोटे नाले मिलते हैं जो बिना ट्रीटमेंट के सीवेज को नदी तक पहुंचा रहे हैं। इस समस्या का हल ढूंढने के लिए सरकार ने ड्रोन सर्वे शुरू किया है ताकि इन नालों का स्रोत, रास्ता और बहाव का पूरा नक्शा तैयार हो सके।

45 सूत्रीय यमुना सफाई योजना का हिस्सा : ये कदम दिल्ली सरकार की 45 सूत्रीय यमुना सफाई योजना का हिस्सा है जिसमें इस साल के अंत तक इंटरसेप्टर सीवर प्रोजेक्ट को पूरा करने की योजना है। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य सभी नालों को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से जोड़ना है। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, ड्रोन सर्वे से हमें हर नाले की पूरी जानकारी मिलेगी। इसके बाद हम विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डी-एसटीपी) लगाएंगे। जहां बड़े एसटीपी नहीं बन सकते, वहां 40 डी-एसटीपी लगाने की योजना है जिसके लिए टेंडर भी जारी हो चुके हैं। सीवेज और स्टॉर्म वाटर ड्रेन को करेंगे अलग : मंत्री ने बताया कि सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के साथ दिल्ली जल बोर्ड बड़े नालों की गाद हटाने और गंदगी के ट्रीटमेंट पर काम कर रहा है। बारिश के पानी की निकासी और सीवेज सिस्टम के बीच तालमेल की कमी से जलभराव और प्रदूषण बढ़ता है। ड्रोन सर्वे से सीवेज और स्टॉर्म वाटर ड्रेन को अलग करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में यमुना का हिस्सा सबसे ज्यादा प्रदूषित : नजफगढ़ नाला जो कभी साहिबी नदी था, अब यमुना में 800 मिलियन गैलन प्रतिदिन अनट्रीटेड सीवेज डाल रहा है। इसी तरह से शाहदरा और पूरक नाले भी यमुना को गंदा कर रहे हैं। सरकार इन नालों को नए सिरे से साफ करने की योजना बना रही है। वजीराबाद से ओखला तक यमुना का 22 किलोमीटर का हिस्सा सबसे ज्यादा प्रदूषित है और इसे ठीक करने के लिए यह सर्वे अहम कदम है।

हर कोई नहीं पहनेगा सफेद शर्ट-काली पैंट: दिल्ली की एक कोर्ट का नया फरमान

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली की एक कोर्ट ने दलालों की ओर से की जा रही धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पहले वकील और क्लर्कों के लिए आईडी कार्ड अनिवार्य किया और अब कोर्ट परिसर में क्लर्क, वादी और आम जनता को सफेद शर्ट और काली पैंट पहनने पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने यह कदम दलालों द्वारा खुद को वकील या वकीलों के क्लर्क बताकर वादियों के साथ धोखाधड़ी करने की शिकायतों के बाद उठाया गया है। 15 जुलाई को नोटिस जारी कर कहा गया कि किसी भी क्लर्क, वादी या आम जनता को न्यायालय परिसर में आने के दौरान सफेद शर्ट और काली पैंट पहनने की अनुमति नहीं है।

रोहिणी कोर्ट ने वकीलों के क्लर्कों के लिए पहचानपत्र किया अनिवार्य

रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन (आरसीबीए) ने दलालों की तरफ से वादियों के साथ धोखाधड़ी को रोकने के लिए वकीलों के क्लर्कों के लिए अधिकृत पहचान पत्र (आईडी) प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया है।

धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए उठाया कदम : 14 जुलाई को जारी नोटिस में कहा गया है कि आरसीबीए की कार्यकारी समिति के संज्ञान में बार के कई सम्मानित सदस्यों और आम जनता व वादियों की कई शिकायतों के माध्यम से आया है कि कई दलाल खुद को आधिकारिक वकील या वकीलों के क्लर्क के रूप में गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। ये व्यक्ति झूठे बहाने बनाकर अशिक्षित वादियों को गुमराह कर रहे हैं और उनके साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। इस चिंताजनक मुद्दे को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि इस मामले ने न केवल पेशे की गरिमा और प्रतिष्ठा को धूमिल किया है,

हाईकोर्ट ने शिक्षकों के बकाया वेतन पर निजी स्कूलों से मांगा स्पष्टीकरण, 17 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्च न्यायालय ने राजधानी के कई निजी स्कूलों को निर्देश दिया है कि छठे और सातवें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) की सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति का विवरण देते हुए हलफनामा दायर करें। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रेणु भटनागर की पीठ ने डीएवी पब्लिक स्कूल, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, एएसएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेंट मार्गरेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और अन्य सहित विभिन्न निजी संस्थानों के शिक्षकों की तरफ से दायर अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया। अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

अपील में एकल न्यायाधीश के पूर्व के फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें संशोधित सीपीसी-स्केल वेतन के लिए शिक्षकों के अधिकार को मान्यता देते हुए। यह जांचने के लिए एक समिति भी नियुक्त की गई थी कि क्या स्कूलों के पास ऐसे वेतन वितरित करने के लिए पर्याप्त धनराशि है। कर्मचारियों की पात्रता और नियुक्तियों का आकलन करने के लिए भी। शिक्षकों की ओर से पेश वकीलों ने तर्क दिया कि ऐसी समिति की नियुक्ति मूल रिट याचिकाओं के दायरे से बाहर है। शिक्षकों ने मुख्य रूप से छठे और सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन भुगतान लागू करने की मांग को लेकर अदालत का रुख किया था, न कि अपनी सेवा संबंधी योग्यता या स्कूल की वित्तीय स्थिति की समीक्षा की मांग को लेकर।

स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने दलील दी कि नियामक अधिकारियों ने फीस वृद्धि की अनुमति नहीं दी है, जिससे उनके पास सीपीसी वेतनमान को पूरी तरह से लागू करने के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं है। कुछ स्कूलों ने दावा किया कि उन्होंने विभिन्न तिथियों से संशोधित वेतन आयोग को पहले ही अपना लिया है और आंशिक बकाया राशि का भुगतान भी कर दिया है।

बीते तीन दिन में 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, केजरीवाल ने भाजपा पर कसा तंज

दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली के द्वारका स्थित सेंट थॉमस स्कूल और वसंत वैली स्कूल में ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। वहीं अब तक पांच स्कूलों को आज धमकी भरे ई-मेल आए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस जांच कर रही है। अभी तक कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली है। सबसे पहले द्वारका के सेंट थॉमस और वसंत कुंज इलाके के वसंत वैली स्कूल को धमकी मिली थी। जिसके बाद मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, रिचमंड ग्लोबल स्कूल और सरदार पटेल विद्यालय को भी धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस, बॉम्ब स्क्वायड, डॉग स्क्वाड और साइबर एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। दोनों स्कूलों को सुरक्षा के मद्देनजर खाली कराया गया है।

तीन दिन में 10 स्कूलों और कॉलेज को मिली धमकी : बम की खबर को लेकर दिल्ली पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा कि द्वारका स्थित सेंट थॉमस स्कूल, वसंत कुंज स्थित वसंत वैली स्कूल, हौज खास स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल और लोदी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय को आज सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। पिछले तीन दिनों में लगभग 10 स्कूलों और एक कॉलेज को बम से उड़ाने की ऐसी धमकियां मिली हैं।

पूर्व सीएम केजरीवाल ने भाजपा को घेरा : पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की भाजपा सरकार को स्कूलों को हर दिन मिल रही धमकी मामले पर घेरा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि लगातार तीसरे दिन आज फिर से दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के लोगों और उनके बच्चों की न तो गृहमंत्री अमित शाह को कोई चिंता है और न ही उनकी चार-चार इंजन वाली सरकारों को है। भाजपा दिल्ली को जंगलराज बनाने पर तुली है।

स्टीफन कॉलेज व सेंट थॉमस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी : इससे पहले, नेवी चिल्ड्रन स्कूल और सीआरपीएफ स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी की जांच चल ही रही थी कि मंगलवार को डीयू के सेंट स्टीफन कॉलेज और छावला के सेंट थॉमस स्कूल के लिए ईमेल आ गए। किसी ने ईमेल कर स्कूल में आरडीएक्स और आईईडी रखे होने की जानकारी दी।

ईमेल देखते ही स्कूल व कॉलेज की ओर से तुरंत पुलिस को खबर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कूल व कॉलेज परिसर को खाली करवाकर गहन तलाशी अभियान चलाया गया। हांलाकि टीम को वहां से कुछ नहीं मिला। अच्छी तरह तलाशी लेने के बाद पुलिस ने इसे हॉक्स करार दिया। लोकल पुलिस साइबर एक्सपर्ट से मदद से ईमेल करने वाले आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। माना जा रहा है कि किसी ने परेशान करने के लिए ऐसी हरकत की है। वर्ष 2024 में दिल्ली-एनसीआर के कई स्कूलों व अस्पतालों को इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी के ईमेल प्राप्त हुए थे। उन मामलों की अभी भी जांच जारी है। ईमेल करने वाले प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल कर इस तरह के ईमेल कर रहे हैं।

उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि कॉलेज प्रशासन के मुताबिक किसी ने ईमेल कर बताया है कि कॉलेज की लाइब्रेरी में 4 आईईडी बम और दो आरडीएक्स रख दिए हैं। ठीक दो बजे

मेरठ में नाग-नागिन के डांस का लाइव वीडियो: हवा में लिपटते हुए आए नजर, लोगों ने कहा ऐसा सिर्फ फिल्मों में देखा

मेरठ, एजेसी। मेरठ के में नाग-नागिन का डांस लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना है। कुछ लोग इस दृश्य को भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद मान रहे हैं तो कुछ ऐसे हैं जिनकी रातों की नींद उड़ गई है। नाग-नागिन का करीब एक मिनट का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि वहां सामने ही रहने वाले लोग अब डरे हुए हैं उन्होंने कहा कि अगर यह नाग-नागिन हमारे घर आ गए तो हमारा क्या होगा।

क्या है पूरा मामला : रोमांच से भरपूर यह पूरा वीडियो जागृति विहार एक्सटेंशन के सेक्टर 5 का है। यहां कुछ बच्चों को सड़क पर खेलते वक्त एक झाड़ी में हलचल दिखाई दी। वह हलचल को जानने के लिए करीब चले गए। अचानक हवा में दो फुट की ऊंचाई तक अटखेलियां कर रहे दो सांपों को देख उनकी चीख निकल गई। बच्चों का शोर सुन परिवार के लोग दौड़े और वहां पहुंच गए जहां बच्चे मौजूद थे। इसके बाद जो कुछ इन लोगों ने देखा वह सभी हैरान करने वाला था।

फिल्म नागिन की याद हुई ताजा : सावन में नाग नागिन के इस जोड़े को देख लोग रोमांचित हो गए। अटखेलियां कर रहे इस जोड़े को मानो किसी का डर ही नहीं था। एक व्यक्ति ने बिना देरी किए इसे अपने मोबाइल में कैद कर लिया।वे 15 जुलाई की सुबह फिर से थाने पहुंचे तो आरोप है कि यहां पुलिसकर्मी अनिल ने कोर्ट जाने और अभी टाइम नहीं है कि बात कहते हुए शाम को मामला देखने को बोला। पुलिस का रवैया देख कर परिजनों ने थाने में हंगामा कर दिया। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर जाने को तैयार हुई। लड़की की मां नेहा ने कहा कि पुलिस ने थाने में कोई सुनवाई नहीं की। वे घायल बेटी को साथ लेकर थाने में कई घंटे बैठे रहे। बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद मीडिया को बुलाने और थाने में धरना देने की बात बोलने पर पुलिसकर्मी उनके साथ चलने को तैयार हुए। वीडियो में यह जोड़ा आपस में लिपटा और हवा में लहराता दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना था कि अब तक उन्होंने इस दृश्य को फिल्म नागिन में देखा था। वैसा ही साक्षात उन्हें यहां देखने को मिला है।एआरटीओ एसपी सिंह ने बताया कि तीनों वाहन नियम विरुद्ध तरीके से स्कूली बच्चों को ले जा रहे थे। चालकों और स्कूल संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई है कि भविष्य में यदि दोबारा ऐसा हुआ तो और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लगने लगे हर हर महादेव के जयकारे: 1 मिनट 8 सेकेंड की इस वीडियो में नाग नागिन के नृत्य का नजारा देख सभी अचंभित थे। सावन में इस दृश्य को लाइव देख वह खुद को खुशनसीब मान रहे थे। हालांकि सूझबूझ से वह बच गए थे। अचानक हर हर महादेव और नाग देवता के जयकारे लगने शुरू हो गए। इसके बाद लोगों की भीड़ वहां लगती चली गई। शायद भीड़ का एहसास नाग नागिन के जोड़े को हो गया था, इसलिए कुछ पल बाद वह भी आंखों से ओझल हो गए।ट

सुरक्षा के प्रति चिंतित दिखे लोग : नाग-नागिन का यह जोड़ा जहां दिखाई दिया, वह आवासीय इलाका है। ऐसे में काफी परिवारों में इस जोड़े का मिलना दहशत भी बढ़ा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस जोड़े के देखे जाने के बाद वहां लगातार सांप दिखाई दे रहे हैं।उन्हें डर है कि इतनी बड़ी संख्या में मौजूद सांपों ने कहीं उनके घर का रुख किया तो क्या होगा। लोगों का कहना है कि आवास विकास को 10 साल पहले यह इलाका हैंडओवर हुआ था लेकिन अभी भी यहां कुछ जमीनों पर खेती की जा रही है। यह स्पष्टता इसलिए आवश्यक है ताकि कोई भ्रम की स्थिति न रहे और सभी संबंधित एजेंसियां नियमों की सही व्याख्या करें। गौरतलब है कि, इन मामलों में कुछ परमिट ऐसे भी हैं जो ङ्कड्डद्धह 4.0 पोर्टल की ऑटो अप्रूवल प्रणाली के माध्यम से जारी हुए प्रतीत होते हैं। जिसमें 'वाया' कॉलम को मैन्युअली भरने की छूट होने से नेपाल जैसे स्थान दर्ज किए गए हैं। परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा पूर्व में एनआईसी को स्पष्ट वर्कफ़्लो भेजा गया था, जिसमें निर्देश दिया गया था कि ऐसे कॉलम में केवल पूर्व-निर्धारित ड्रॉपडाउन सूची के विकल्प ही चयनित हो सकें, लेकिन यह व्यवस्था आंशिक रूप से ही लागू की गई। इससे ऐसे परमिट पोर्टल से स्वतः जनरेट हो सके, जो अब गंभीर दुरुपयोग की श्रेणी में आ गए हैं। विभाग इस खामी को दूर करने के लिए एनआईसी से पुनः अनुरोध कर रहा है। साथ ही फेसलेस प्रणाली की वैधानिक पुनर्संरचना की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है। परिवहन आयुक्त ने भारत सरकार को भेजा अनुरोध पत्र परिवहन आयुक्त ने भारत सरकार को पत्र भेजते हुए अनुरोध किया है कि एमईए भारतीय एवं नेपाली दूतावासों द्वारा निर्गत सभी फार्म-सी परमिटों की सूची सभी प्रवर्तन एजेंसियों को समय पर साझा किया जाए। साथ ही एनआईसी के माध्यम से ऐसा पोर्टल विकसित किया जाए, जिसमें भारतङ्कनेपाल सीमा पर प्रस्तुत परमिटों की रीयल-टाइम जांच की जा सके।

भारत-नेपाल सीमा पर जाली परमिट से बस संचालन पर योगी सरकार सख्त

लखनऊ, एजेसी। भारतङ्कनेपाल सीमा पर कुछ निजी बसों की ओर से कूटरचित (जाली) परमिट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर अवैध रूप से संचालन पर योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है। इन गंभीर मामलों को संज्ञान में लेते हुए परिवहन आयुक्त ने त्वरित कड़े कदम उठाए हैं।

एफआरआरओ लखनऊ तथा एसएसबी ने सूचित किया कि कई बसों द्वारा नेपाल सीमा पर ऐसे परमिट प्रस्तुत किए गए हैं जो सतही रूप से संभागीय परिवहन प्राधिकरण की ओर से जारी प्रतीत हो रहे थे, लेकिन जांच में यह पूर्णतः जाली या वैधानिक अधिकार क्षेत्र से परे पाए गए। इस पर सख्त योगी सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया।

तीन जलों में जाली परमिट की हुई पुष्टि : परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि अब तक तीन जिलों (अलीगढ़, बागपत व महराजगंज) में स्पष्ट रूप से जाली परमिट की पुष्टि हो चुकी है। यहां संबंधित एआरटीओ ने प्रमाणित किया कि ऐसा कोई परमिट कार्यालय से निर्गत नहीं किया गया। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराने के साथ दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई को कहा गया।

परिवहन आयुक्त ने डीजीपी को लिखा पत्र : इसके अतिरिक्त गोरखपुर, इटावा एवं औरैया जैसे जिलों में भी ऐसे परमिट प्रस्तुत किए गए हैं, जो प्रथम दृष्टया भारतङ्कनेपाल यात्री परिवहन समझौता, 2014 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। गोरखपुर प्रकरण में विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन आयुक्त ने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश को पत्र भेजा है, जिसमें तीन जिलों में दर्ज प्रकरणों की एसटीएफ से जांच कराए जाने का अनुरोध किया गया है। परिवहन आयुक्त ने बताया कि मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 88(8) एवं भारतङ्कनेपाल समझौते के के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर संचालन के लिए सिर्फ गंतव्य देश की दूतावास/कांसुलेट द्वारा फार्म-सी में निर्गत परमिट ही वैध होता है। ऐसे में राज्य स्तर पर एसआर-30 अथवा एसआर-31 फॉर्म में जारी परमिट भारतङ्कनेपाल मार्ग के लिए वैधानिक नहीं हैं। भारतङ्कनेपाल यात्री यातायात समझौता, 2014 के अनुच्छेद (5) एवं फार्म-सी के नोट-4 के अनुसार नेपाल के लिए यात्रियों के साथ निजी बस संचालन हेतु परमिट केवल गंतव्य देश की दूतावास/कांसुलेट द्वारा ही फार्म-सी में जारी किया जाना वैध है। इस परिप्रेक्ष्य में (आरटीओ/एआरटीओ) अथवा आरटीए की ओर से एसआर-30 अथवा एसआर-31 फॉर्म में जारी कोई भी परमिट अंतरराष्ट्रीय सीमा पार अमान्य) है।

साइबर अपराधियों ने मथुरा जिलाधिकारी का फेसबुक अकाउंट हैक कर मांगे पैसे,'

मथुरा, एजेसी। साइबर अपराधियों ने जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की फेसबुक को हैक कर उनके करीबियों से पैसें मांगे हैं। मामले की जानकारी होने पर जिलाधिकारी ने सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए लोगों से अकाउंट से न जुड़ने की अपील की है। जिलाधिकारी ने बुधवार को बताया कि किसी करीबी ने जानकारी देते हुए उन्हें बताया कि उनके फेसबुक को हैक कर लिया गया है। अब पैसे मांगे जा रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने फौरन अपनी फेसबुक चेक की तो पता चला कि साइबर अपराधियों ने हैक कर रखी है। ?फौरन जिलाधिकारी ने सदर कोतवाली को सूचना दी और फेसबुक में जुड़े लोगों से अपील की है कि उनका अकाउंट हैक कर लिया गया है। उनके इस फर्जी अकाउंट से लोग न जुड़े, यह अपील की है। इधर सदर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर साइबर सेल की मदद लेकर जांच में जुट गई है। गौरतलब है कि, जिलाधिकारी की फेसबुक अकाउंट हैक करने का यह कोई पहला मामला नहीं है।

कोटा बांध से छोड़े गए पानी के बाद जालौन में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट पर

जालौन, एजेंसी। कोटा बांध से अचानक छोड़े गए पानी के कारण जालौन जिले में यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। हालांकि, अभी नदी का स्तर खतरे के निशान से लगभग 5 मीटर नीचे है, लेकिन लगातार बढ़ते जलस्तर ने प्रशासन को सतर्क कर दिया है।

बता दें कि, यमुना नदी का जलस्तर बुधवार को करीब 103 मीटर तक पहुंच गया, जो पिछले 24 घंटों में लगातार बढ़ रहा है। प्रशासन के अनुसार, नदी का स्तर प्रति घंटे 6 सेंटीमीटर की दर से बढ़ रहा है, जिससे आने वाले घंटों में स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। जिला प्रशासन ने इस सम्भावित खतरे को देखते हुए एक बुलेटिन जारी कर आसपास के गांवों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेष रूप से मगरौल, पडरी और रपटा जैसे निचले इलाकों में पानी भरने की सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने इन क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी है।

जिला प्रशासन ने सभी बाढ़ राहत चौकियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, नदी किनारे बसे गांवों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। कालपी नगर क्षेत्र में यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है।

एसडीएम अतुल कुमार ने बताया कि यदि पानी का स्तर और बढ़ता है, तो नदी किनारे बसे कुछ और गांवों को खाली कराने की योजना तैयार है। फिलहाल यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान (108 मीटर) से 5 मीटर नीचे है, लेकिन लगातार पानी छोड़े जाने और बारिश की सम्भावना को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटों में इस क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश की सम्भावना है, जिससे नदी का जलस्तर और बढ़ सकता है। ऐसे में प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है और आपातकालीन सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। स्थिति पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें तैनात हैं। निवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।मोर्थ की ओर से यह स्पष्ट किया जाए कि केवल फार्म-सी ही वैध अंतरराष्ट्रीय परमिट है।

इस संबंध में उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा कि जाली दस्तावेजों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा नियंत्रण के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही फेसलेस परमिट प्रणाली की कार्यप्रणाली में भी आवश्यक तकनीकी सुधार की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भारत सरकार मोर्थ (रूष्ठक्रञ्ज॥) को लिखा गया है। अपोलो इंजीनियरिंग कॉलेज में कंप्यूटर साइंस शाखा का अंतिम वर्ष का छात्र था। पिता का पहले देहांत हो चुका है। परिजनों की माने तो मंगलवार सुबह सात बजे के आसपास सुधांशु अपने घर के बाहर टुल्लू पम्प चलाने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया। शोर सुनकर दौड़े परिजनों ने उसे बचाते हुए इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे।

सीतापुर : चोरों ने दुकान में सेंध लगाकर 25 लाख के 200 मोबाइल पार किए

सीतापुर, एजेंसी। नगर कोतवाली इलाके में मंगलवार की रात्रि शातिर चोरों ने एक मोबाइल की दुकान में सेंध लगाकर 200 मोबाइल चोरी कर ले गए। चोरी मोबाइलों की कीमत 25 लाख बताई जा रही है। मामले में पुलिस जांच करते हुए चोरों की तलाश में जुट गई है। क्षेत्राधिकारी नगर अमन सिंह ने बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कैंची पुल के निकट शास्त्री नगर मोड़ पर विनोद राठौर की विनोद ट्रेडर्स के नाम से एक मोबाइल की दुकान है। बुधवार को विनोद राठौर ने सूचना दी कि उसकी मोबाइल दुकान में सेंध लगाकर चोर 200 मोबाइल चोरी कर ले गए हैं। इस सूचना पर थाना नगर कोतवाल अनूप शुक्ला, चौकी प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। दुकानदार ने पूछताछ में चोरी गए मोबाइलों की कीमत 20 से 25 लाख रुपये बताई। बड़ी चोरी की जानकारी पर एडिशनल एसपी आलोक सिंह भी मौके पर आ गए। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए। मामले में पीड़ित दुकानदार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

वहीं सीओ ने बताया कि चोर दुकान की दीवार में सेंधमारी कर अंदर दाखिल हुए हैं। चोरी के बाद चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले गए हैं।

फिलहाल जांच में सामने आया है कि देर रात बारिश के बीच चोरों ने वारदात अंजाम दी गई है। मामले में पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिंगरप्रिंट और मौके से जुटाए अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

पशु आश्रय में गोवंश की मौत पर बजरंग दल ने दिया धरना, एसडीएम ने दिए जांच के आदेश

सीतापुर, एजेंसी। जिले के एलिया ब्लॉक अंतर्गत गांव तिहार में बनी गौशाला में मृत गोवंशों की मौत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसकी जानकारी पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने गौशाला की देखरेख एवं व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए।मामले में एसडीएम महोली ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है। जानकारी के मुताबिक जिले में एलिया ब्लॉक के गांव तिहार में बनी गौशाला में दो मृत पशुओं का एक वीडियो सोशल मीडिया में मंगलवार को वायरल हुआ। वायरल वीडियो में कई गोवंश मरणासन्न स्थिति में दिख रहे हैं। गौशाला में गोवंशों की ऐसी हालत के वायरल वीडियो को देख विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं कल ही देर शाम पशु आश्रय स्थल के मुख्य द्वार के बाहर धरने पर बैठ गए। यह धरना बुधवार सुबह भी जारी रहा।

गोवंशों की इस दुर्दशा को लेकर बजरंग दल के जिला संयोजक अनुज भदौरिया ने मौके पर कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। उन्होंने एसडीएम महोली देवेंद्र मिश्रा से इसकी शिकायत की। बजरंग दल कार्यकर्ताओं के अनुसार एसडीएम महोली ने गोवंशों की दुर्दशा और गौशाला में लापरवाही को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं, जिसके बाद कार्यकर्ता धरने पर बैठे हैं।

इस संबंध में महोली उप जिलाधिकारी देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि गौशाला में दो गोवंश की मौत की जानकारी हुई है, उन्हें दफना दिया गया है। गौशाला में देख रेख के लिए पशुमित्र लगा हुआ है। बीमार पशुओं की चिकित्सा के लिए डॉक्टरों की टीम भेज दी ग

चोलापुर में कच्चा मकान गिरा, मलबे में दबकर दो सगे युवा भाइयों की मौत

वाराणसी, एजेंसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के गोसाईपुर ग्रामसभा अंतर्गत

भैठौली गांव में बुधवार सुबह बारिश के चलते एक कच्चा मकान भरभरा कर गिर पड़ा। हादसे में बाइक सवार दो सगे भाइयों की मलबे में दबकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अरविंद कुमार (18) और अंकित कुमार (16), ग्राम भैठौली निवासी संतोष कुमार के पुत्र थे। दोनों भाई सुबह-सुबह खेत में धान की रोपाई के लिए बाइक से धान की नर्सरी (बेहन) लेकर जा रहे थे। जैसे ही वे दिलीप कुमार के पुराने कच्चे मकान के पास पहुंचे, अचानक बारिश के कारण कमजोर दीवार गिर पड़ी और दोनों भाई मलबे में दब गए। घटना के बाद मलबे में दबे भाइयों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर दोनों भाइयों को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार में मातम का माहौल है, और पूरे गांव में गमगीन सन्नाटा पसरा हुआ है।

सीएम मोहन यादव के ससुर के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

लखनऊ, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ससुर और विद्या भारती महाकौशल प्रान्त के पूर्व प्रांत संगठन मंत्री ब्रह्मानंद यादव के निधन पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। ब्रह्मानंद यादव सुलतानपुर जिले के मूल निवासी थे। पिछले कुछ समय से वह बीमार चल रहे थे। 15 फरवरी की शाम को उनका निधन हो गया। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा कि ब्रह्मानंद यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर ज्ञान, सेवा और संस्कार का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका त्यागमय जीवन, कर्मनिष्ठा और समाज के प्रति समर्पण भाव सदैव प्रेरणा देता रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीच रणों में स्थान दें तथा शोकसंतप्त परिजनों को संबल प्रदान करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी व प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने भी ब्रह्मानन्द यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि डॉ. मोहन यादव के ससुर व विद्या भारती महाकौशल प्रान्त के पूर्व प्रांत संगठन मंत्री ब्रह्मानंद यादव का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी विनम्र संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को विपदा की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करें।

मालवाहक में मासूमों की सवारी! एआरटीओ की दबिश से मचा हड़कम्प, तीन वाहन सीज

मीरजापुर, एजेंसी। माल लादने वाले वाहनों में स्कूली बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे वाहन चालकों पर परिवहन विभाग ने सख्ती दिखाई है। मीरजापुर के ड्रमंडगंज क्षेत्र में बुधवार को एआरटीओ की कार्रवाई से वाहन संचालकों में हड़कम्प मच गया। ड्रमंडगंज क्षेत्र में बुधवार सुबह बच्चों की सुरक्षा को लेकर एआरटीओ एसपी सिंह ने अभियान चलाया। इस दौरान चौंकाने वाला नजारा सामने आया। स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चे जान जोखिम में डालकर मालवाहक वाहनों में स्कूल जा रहे थे। एआरटीओ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन मालवाहक वाहनों को पकड़कर थाने में सीज करवा दिया। सबसे बड़ी बात यह रही कि एआरटीओ ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें खुद के वाहन से स्कूल तक पहुंचाया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम)
के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एन आई टी	09, 16, 18, 21 & 22-2025-26-डब्ल्यू-5		

काम का नाम (स्थान के साथ) : 09. वरिष्ठ मंडल अभियता पंचम/नई दिल्ली के अनुभाग में प्री टैम्पिंग और पोस्ट टैम्पिंग, डिजाइन मोड टैम्पिंग कार्य के लिए ट्रैक का सर्वेक्षण का कार्य।

16. सहायक मंडल अभियंता/हजरत निज़ामुद्दीन के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/एचएनजेडएम खंड में हजरत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर अधिकारी विश्राम गृह का निर्माण का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति :** भवन/क्वार्टर का निर्माण का कार्य।

18. सहायक मंडल अभियंता/हजरत निज़ामुद्दीन के अंतर्गत अनुभाग में यार्डों में रेल स्लीपर, फिटिंग ओवर हॉलिंग और विविध कार्यों का आकस्मिक नवीनीकरण। **समान कार्य की प्रकृति :** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

21. एडीईएन/डीईई के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/डीईई अनुभाग में स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र कार्य। **समान कार्य की प्रकृति :** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

22. एडीईएन/डीईई के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/जीजीएन के खंड में जीजीएन–आरई खंड (आरई को छोड़कर) और रेवाड़ी लोको हेरिटेज शेड में स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र कार्य। **समान कार्य की प्रकृति :** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

काम की अनुमानित लागत (रुपये)	09. Rs. 3998802.50	16. Rs. 5015018.55	18. Rs. 6999819.50
	21. Rs. 6499530.44	22. Rs. 5999639.42	

अग्रिम राशि (रुपये) : (यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (**नोट:**– रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई–आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आई आर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा..।)

09. Rs. 80000.00	16. Rs. 100300.00	18. Rs. 140000.00
21. Rs. 130000.00	22. Rs. 120000.00	

काम की समाप्ति अवधि	09. 09 महीने	16. 09 महीने	18. 06 महीने
	21. 09 महीने	22. 09 महीने	
निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	08.08.2025 को 15:00 बजे तक तथा 08.08.2025 को 15:00 बजे निविदा खुलना है।		
वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा	यह निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।		

No. 128-W/280/OET/2025-26/W-V/NIT-09, 16, 18, 21 & 22 - 2025-26 दिनांक: 14.07.2025 2147/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

समोसे, जलेबी से सावधान

हम भारतीय करीब 7 करोड़ समोसे हर रोज खा जाते हैं। अनुमान यह भी है कि हम 2163 करोड़ समोसे सालाना खाते हैं। एक औसत समोसे में 262 कैलोरी होती हैं। यदि समोसे का आकार बड़ा हो, तो कैलोरी 400 से भी अधिक हो सकती हैं। भारत में समोसे का बाजार 25,000 करोड़ रुपए का बताया जाता है। इससे भी बड़ा बाजार 'मोमोज' का है, जो करीब 30,000 करोड़ रुपए का बताया जाता है। यकीन नहीं होता, बल्कि आश्चर्य होता है, लेकिन ये बाजार मौजूद हैं। इतना बड़ा बाजार, लोगों के असीमित खर्च, लेकिन हम एक 'खामोश मौत' की तरफ बढ़ रहे हैं। समोसे, कचौड़ी, पकौड़े जिस तेल में बार-बार तले जाते हैं, वह तेल विषाक्त हो जाता है। मानवीय सेहत के लिए 'जानलेवा' भी साबित होता रहा है। सामान्यतः कचौड़ी में 10 ग्राम, 10 पकौड़ों में 14 ग्राम, एक बर्गर में 31 ग्राम, 4 स्लाइस पिज्जा में 40 ग्राम वसा होती है। हम लगातार यह वसा (फैट) अपने शरीर में जमा करते जा रहे हैं। यदि आप चाहते हैं कि हर रोज 45 मिनट सैर कर लें, तो भी यह वसा एक निश्चित मात्रा में शरीर में रहती है। नतीजतन कैंसर, दिल का दौरा, खराब कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप, टाइप टू मधुमेह आदि बीमारियां तो सर्वज्ञात हैं। उनके अलावा, अन्य विसंगतियां हमारे भीतर पल रही हैं, उनकी जानकारी तब सामने आती है, जब मौत हो जाती है। हम भारतीय जलेबी, लड्डू, बर्फी या अन्य मिष्ठान्न का खूब उपभोग करते हैं। हमारे समारोह मीठे से ही संपन्न होते हैं, हमारा नाश्ता भी मिठाई ही है, क्योंकि यह स्वाद हमारे संस्कारों में बसा है। औसतन 100 ग्राम जलेबी में 40 कैलोरी होती हैं। गुलाब जामुन में 32 ग्राम, सॉफ्ट ड्रिंक में 32 ग्राम, चॉकलेट में 25 ग्राम चीनी होती है। हमें एक दिन में अधिकतम 25 ग्राम चीनी का सेवन करना चाहिए। यह सीमा तो हर रोज लांघी जा रही है। अब कमोबेश तेल और चीनी के सेवन के मद्देनजर भारत सरकार चिंतित हुई है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भी बढ़ते मोटापे पर अपनी चिंता और अपना सरोकार जताया था और 10 फीसदी तेल का सेवन कम करने का आह्वान किया था, ताकि देश फिट रह सके। अब इससे भी आगे की 'चेतावनी' देने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों को कहा है कि वे समोसा, कचौड़ी, फ्रेंच फ्राइज, जलेबी, बर्फी और वड़ा पाव समेत अन्य खाद्य सामग्री में तेल और चीनी की मात्रा का उल्लेख करते हुए बोर्ड अपने दफ्तरों और कैंटीन में लगवाएं। सार्वजनिक स्थानों पर भी ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, ताकि स्वस्थ जीवन-शैली को बढ़ावा दिया जा सके और मोटापे तथा गैर-संचारी रोगों से निपटा जा सके। गौरतलब यह है कि सरकार समोसे और जलेबी पर किसी भी तरह की पाबंदी थोपने नहीं जा रही है। यह जागृति का अभियान है, जिसके साथ 'चेतावनी' भी जुड़ी है। यह चेतावनी भी सिगरेट और शराब के साथ जुड़ी चेतावनी जैसी ही होगी। सिगरेट और शराब का कारोबार तथा उपभोग 'चेतावनी' के बावजूद कम नहीं हुए हैं। बल्कि शराब तो सरकार के राजस्व का सबसे पुख्ता जरिया है। समोसे और जलेबी अपेक्षाकृत सस्ते और हर जगह उपलब्ध व्यंजन हैं। सभी पीढ़ियों के लोग बड़े चाव से खाते हैं। चेतावनी के बाद वह वर्ग थोड़ा-सा चिंतित हो सकता है, जो बीमारियों की जकड़न् में है, लिहाजा कुछ परहेज सामने आ सकता है। अलबत्ता ये कारोबार 10 फीसदी भी कम हो जाएं, तो सरकार अपने अभियान की पीठ थपथपा सकती है।

पारिवारिक तनाव का समाधान कैसे हो?

जब हम टीवी देखते हैं, तो काफी हद तक दिमाग टीवी में उलझ जाता है और अपनी व्यक्तिगत बातों से हट जाता है, और सबसे बढ़ कर यह कि इस बात पर विश्वास होना चाहिए कि कोई भी टेंशन जीवन से बढ़ कर नहीं, टेंशन आनी–जानी है, यह जीवन का हिस्सा है। इसे खुद पर सवार नहीं करना चाहिए। इनसान से शक्तिशाली कोई नहीं, वो दुनिया में हर असंभव को संभव कर सकता है। याद रहे आज के दौर में, हर आदमी के लिए सबसे बड़ा तनाव होता है पारिवारिक तनाव। तनाव का परिणाम तो हमेशा बुरा और विनाशकारी ही होता है....

डा. वरिंद्र भाटिया

मनोविज्ञान से जुड़ी अनेक रिपोर्ट्स बता रही हैं कि पारिवारिक परेशानियों के कारण देश में आत्महत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह एक बड़ा सामाजिक सरोकार है। आइए, इस बिंदु को खंगालें और कुछ हल टटोलें। हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति में, पारिवारिक टेंशन, यानी कि पारिवारिक तनाव आजकल उफान पर है, यह एक ज्वलंत सामाजिक चिंता का बिंदु है। इससे परिवार के सभी सदस्य प्रभावित हो जाते हैं। क्यों बढ़ रहे हैं आजकल पारिवारिक तनाव, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सामाजिक सरोकार है। पारिवारिक तनाव परिवार के किसी एक या ज्यादा सदस्य को होने वाला तनाव होता है। आजकल यह तनाव परिवार के सदस्यों के बीच के भावनात्मक संबंधों, मनोदशा, कल्याण और पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है, और परिवारों को बिखेर रहा है। यूं तो परिवार के सदस्यों के बीच में नोकझोंक होना आम बात है, परंतु यदि यह नोकझोंक लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह विवाद में बदल जाती है, जिसकी वजह से बेहद करीबी लोग भी एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। इसका हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। पारिवारिक विवाद बच्चों के मानसिक विकास में रुकावट डालने के साथ-साथ घर के बड़ों के लिए भी बेहद नकारात्मक रूप से कार्य करता है। हमारे आसपास यही कुछ देखने में विदित हो रहा है। पारिवारिक टेंशन यानी तनाव को काबू करना आसान काम नहीं होता है, पर बावजूद इसके, यदि आपके घर में लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा है और परिवार के सदस्यों को डील करना आपके लिए मुश्किल होता जा रहा है, तो इस स्थिति में खुद के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने की जगह अपनी भावनाओं को प्राथमिकता देना सीखें। समझें कि कौनसी स्थिति, आपको तनाव दे रही है, यदि बात अधिक बिगड़ती जा रही है तो इस स्थिति में खुद को प्राथमिकता दें।

इन मामलों से खुद को कुछ समय के लिए दूर कर लें, जब मन शांत हो तो शांति से लोगों से बातचीत करें और मसले का हल निकालने की कोशिश करें। यदि आप हर वक्त परिवार में चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं, तो इसका आपके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ चीजें समय के साथ खुद ठीक हो जाती हैं, साथ ही अन्य लोगों को भी चीजों को सही करने का मौका देना चाहिए। हमेशा सलाह देने और किसी काम को करने के लिए लोगों पर दबाव बनाने से आपकी मानसिक स्थिति भी खराब होती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि खुद को मानसिक रूप से शांत रखने के लिए परिवार के सदस्यों से बेवजह की उम्मीद रखने से बेहतर है, चीजों को स्वीकार करें, यह जरूरी नहीं है कि परिवार के सभी सदस्य आपके विचार से सहमत हों, ऐसे में चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच अपनी बात को मनवाने के लिए विवाद को बढ़ावा न दें। दूसरों के विचारों को समझें और उसे अपनाएं। ऐसा करने से लोग आपकी लिए गए निर्णय को भी वैल्यू करेंगे और परिवार में नोकझोंक भी कम होगी। यदि आपके घर में पैसे से जुड़े मुद्दों को लेकर बात-विवाद चल रहा है या किसी प्रकार के अन्य संवेदनशील मुद्दे पर, तो इस स्थिति में विवादित मुद्दों पर बार-बार चर्चा न करें। क्योंकि ऐसा करने से घरेलू मतभेद अधिक बढ़ सकता है, जिससे केवल दूसरे लोग परेशान नहीं होंगे, बल्कि यह आपको भी पूरी तरह से बेकाबू कर देगा। ऐसे में जब घर-परिवार में शांति बनी हो, तो शांति को बनाए रखने की कोशिश करें। लोगों से सकारात्मक बातों पर चर्चा करें, ऐसा करने से हो सकता है कि विवाद कम हो। कई बार पारिवारिक विवाद में हम वर्तमान की स्थिति को छोड़, पुरानी विवादित बातों पर चर्चा करना शुरू कर देते हैं, जिसकी वजह से परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है। इस स्थिति में पुरानी बातों पर चर्चा करने से जितना बच सकते हैं, उतना बचें, वर्तमान में चल रही स्थिति को सुलझाने का प्रयास करें। टेंशन जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर देती है, इनसान के पास जो अच्छे पल होते हैं, वो भी टेंशन की नजर हो जाते हैं, कुछ उपाय हैं जिनसे टेंशन को कम किया जा सकता है। जिस वजह से टेंशन है, उस समस्या को सुलझाने का प्रयास किया जाए और यदि कोई बड़ा नुकसान हो गया, तो उस नुकसान के असर को कम कैसे किया जा सकता है, इस पर विचार करके ठोस कदम उठाए जाएं।

मेडिटेशन – आप जिस भी खुदा, भगवान को मानते हों, कुछ समय उनके साथ बिताया जाए, ध्यान लगाया जाए, यह वास्तव में मन को बहुत सुकून देता है। अपने अच्छे दोस्तों या पारिवारिक सदस्यों के साथ समय बिताया जाए। हम भागदौड़ और टेंशन में अपनों का साथ खोते जा रहे हैं। एक लंबी वॉक भी आपकी टेंशन को काफी हद तक कम कर देती है। मैं अक्सर लंबी वॉक करता हूं और अकेले अपने साथ भी समय बिताता हूं, अच्छा संगीत भी मन को सुकून देता है, या कोई भी ऐसी हॉबी जो आपको पसंद हो, उस पर काम किया जाए। जैसे अच्छी किताबें पढ़ना, पेंटिंग बनाना, डांस करना इत्यादि। व्यायाम – यह टेंशन और स्ट्रेस भगाने का सबसे अच्छा माध्यम है। ऐसा मैं अपने अनुभव से कह रहा हूं। यह तबीयत को एकदम हल्का कर देता है और अपने आप शरीर और मन में स्फूर्ति भर जाती है। अच्छा भोजन और अपना पसंदीदा खाना भी टेंशन को काफी हद तक कम करता है, अपनी पसंद की कोई अच्छी डिश बना कर आप समय को अच्छा बना सकते हैं।

अगर समय हो तो कोई अच्छी मूवी देखनी चाहिए। जब हम टीवी देखते हैं, तो काफी हद तक दिमाग टीवी में उलझ जाता है और अपनी व्यक्तिगत बातों से हट जाता है, और सबसे बढ़ कर यह कि इस बात पर विश्वास होना चाहिए कि कोई भी टेंशन जीवन से बढ़ कर नहीं, टेंशन आनी-जानी है, यह जीवन का हिस्सा है। इसे खुद पर सवार नहीं करना चाहिए। इनसान से शक्तिशाली कोई नहीं, वो दुनिया में हर असंभव को संभव कर सकता है। याद रहे आज के दौर में, हर आदमी के लिए सबसे बड़ा तनाव होता है पारिवारिक तनाव। तनाव का परिणाम तो हमेशा बुरा और विनाशकारी ही होता है। आज के युग में जब परिवार में तनाव हो जाता है, तो हमारा सबसे पहला काम है कि हम अपना धैर्य बनाकर रखें। एकांत चित्त होकर, यह विचार करें कि समस्या की मूल जड़ क्या है? पारिवारिक फैसले के लिए दिमाग के साथ-साथ दिल की भी सुनें। अगर आप परिवार के सबसे बड़े हैं, तो फैसला बहुत सोच समझ कर लें। अगर छोटे हैं, तो अपना फैसला एक सुझाव के तौर पर अपने परिवार में अपने स्वभाव से मेल खाते हुए, किसी अन्य व्यक्ति के साथ सांझा करें, और दोनों मिलकर, परिवार के मुखिया से बात करें। यह विचार, पारिवारिक तनाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकेगा। हम सबके लिए बेहतर है कि हम पारिवारिक टेंशन को जिंदगी की जिंदादिली पर हावी न होने दें। अंत में बकौल फिराक गोरखपुरी, 'यह माना कि, जिंदगी है चार दिन की, बहुत होते हैं यारो, चार दिन भी।'

आज का इतिहास

17 जून की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1994 - उत्तरी कोरिया अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अपने देश में बने रहने देने को सहमत।

1999 - लेकेव जुमा द. अफ़्रीका के उपराष्ट्रपति नियुक्त, कारगिल में चल रहे युद्ध के मद्देनजर आई.एस.आई. द्वारा कारगिल जेहाद फ़ंड की स्थापना।

2001 - नेपाल शाही परिवार हत्या प्रकरण में डॉक्टर ने कहा कि दीपेन्द्र के खून में शराब का अंश नहीं था।

2002 - कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पुनः खोला गया।

2003 - फ़्रांस में 165 ईरानी आतंकवादी गिरफ़्तार।

2004 - मंगल पर पृथ्वी की चट्टानों से मिलते-जुलते पत्थर मिले। बगदाद में सेना की भर्ती केन्द्र पर विस्फोट में 42 मरे तथा 127 घायल।

2008 - देश में विकसित हल्के लड़ाकू विमान तेज़स का बंगलौर में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

रूस ने 2012 तक अपने विनाशकारी रासायनिक हथियारों का जखीरा नष्ट करने की दिशा में क़दम बढ़ाया। कनाडा सरकार ने तमिल वर्ल्ड मूवमेंट संगठन को आतंकवादी समूहों की सूची में डाला।

2012- साइना नेहवाल तीसरी बार इंडोनेशिया ओपन चैंपियन बनीं।

17 जून को जन्मे व्यक्ति

1973 - लिएंडर पेस - भारत के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी

1981 - अमृता राव - हिन्दी चलचित्र अभिनेत्री।

1970 - निशिकांत कामत - हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता थे।

1945 - पी. डी. टी. आचार्य - भारत के भूतपूर्व लोक सभा महासचिव रहे हैं।

1942 - भगत सिंह कोश्यारी - उत्तराखंड के राजनीतिज्ञ तथा वहाँ के दूसरे मुख्यमंत्री रहे हैं।

1903 - ज्योति प्रसाद अग्रवाल - असम के प्रसिद्ध साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी तथा फ़िल्म निर्माता।

1887 - कैलाश नाथ काटजू - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा मध्य प्रदेश राज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री।

17 जून को हुए निधन

2015 - मदन मोहन पुंछी - भारत के भूतपूर्व 28वें मुख्य न्यायाधीश थे।

1928 - गोपबंधु दास - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, कवि, साहित्यकार तथा उड़ीसा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता।

साइबर ठगी से बचने को सतर्कता जरूरी

प्रवीण धीमान

अवैध ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट्स पर साइबर अपराधी साइबर धोखाधड़ी के पैसे को फ्रॉड अकाउंट द्वारा निवेश कर रहे हैं जिससे वास्तविक खाताधारक का खाता पुलिस द्वारा होल्ड व फ्रीज कर लिया जाता है। उक्त खाताधारक का खाता होल्ड-फ्रीज होने पर पुलिस की जांच से गुजरना पड़ता है। साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को चाहिए कि वे ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क रहेंज

हिमाचल प्रदेश को साइबर सुरक्षित बनाने के लिए रेंज स्तर पर खोले गए तीन साइबर पुलिस स्टेशन तथा जिला स्तर पर साइबर सैल द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं तथा इसी कड़ी में आम जनता को आजकल साइबर जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा साइबर ठगी की घटना होने पर 1930 पर डायल करने की सलाह दी जाती है। वर्तमान में डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में जरूर कमी आई है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में साइबर अपराध अन्य तरीकों से तेज गति से बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 में वर्ष 2024 में 110431 तथा वर्ष 2025 में जून माह के अंत तक 112971 वित्तीय धोखाधड़ी की कॉल्स प्राप्त हुई हैं। साइबर धोखाधड़ी में ओटीपी फ्रॉड, ओएलएक्स फ्रॉड, लाटरी एवं बिजली बिल फ्रॉड, फेसबुक पर परिचित बनकर पैसा मांगना, स्पूफिंग कॉल, मालवेयर हमला, सेक्सटोर्शन, डिजीटल गिरफ्तारी व एपीके फाइल स्कैम आदि तरीके प्रचलन में थे, जिनका साइबर ठगी के लिए अब भी इस्तेमाल हो रहा है।

आम जनता उपरोक्त तरीकों के प्रति अब धीरे-धीरे जागरूक हो रही है। दूसरी तरफ साइबर अपराधी भी साइबर ठगी के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसके सम्बन्ध में आम जनता को जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश में भी दस से पंद्रह हजार की राशि के लालच के लिए बैंक अकाउंट्स व सिम साइबर अपराधियों को बेचे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। खरीदे गए अकाउंट का प्रयोग साइबर अपराधियों द्वारा साइबर ठगी के पैसों को जमा करने तथा सिम का प्रयोग फ्रॉड कॉल करने के लिए किया जाता है जिससे कि अकाउंट और सिम बेचने वाला व्यक्ति साइबर ठगों के नेटवर्क में शामिल कर लिया जाता है। अतः पुलिस द्वारा सबसे पहले अकाउंट और सिम बेचने वाले व्यक्ति को ही गिरफ्तार किया जाता है। इसलिए जरूरी है कि कभी भी अपने सिम या अकाउंट को लालच में आकर दूसरे व्यक्ति को न बेचे। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईफोरसी) द्वारा संचालित नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीसीआरपी) के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी से संबंधित हिमाचल प्रदेश में 1021 संदिग्ध मोबाइल नंबर तथा कुल 43278 म्यूल बैंक खातों को रिपोर्ट किया गया है। वर्तमान में मोबाइल फोन पर व्यक्ति की हर प्रकार की जानकारी, क्रेडिट कार्ड तथा अन्य वित्तीय जानकारियां होती हैं। मोबाइल फोन गुम या चोरी होने पर व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो सकता है, इसलिए तुरंत सिम को ब्लाक कराने के लिए आपको संबंधित मोबाइल ऑपरेटर के कस्टमर केयर से संपर्क करें तथा साथ ही बैंक अकाउंट को बंद करवाने के लिए संबंधित बैंक के टोल फ्री नंबर या संबंधित बैंक में कार्यरत किसी भी अधिकारी को तुरंत संपर्क करें। इसके अतिरिक्त साइबर ठगी से बचने के लिए आवश्यक है कि ऑनलाइन वित्तीय संबंधी ट्रांजैक्शन करने के लिए इस्तेमाल बैंक खाते में 15-20 हजार से ज्यादा राशि न रखें।

आज के दौर में सेवानिवृत्त तथा वरिष्ठ नागरिकों को इन्वेस्टमेंट स्कैम में सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश में शेयर मार्किट में निवेश/इन्वेस्टमेंट के नाम पर साइबर ठगी के मामलों में तेजी दिखाई दे रही है। इस वर्ष प्रदेश में इस माह के अंत तक 20 लाख या इससे अधिक की साइबर ठगी के कुल 25 अभियोग दर्ज हुए हैं, जिनमें से 18 अभियोग इनवेस्टमेंट फ्रॉड से सम्बन्धित हैं जिसमें 12 करोड़ 09 लाख के करीब की राशि की हानि हुई है। इसलिए जरूरी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आ रहे फेक इन्वेस्टमेंट लिंक जो कि आपको भारी भरकम रिटर्न देने के आकर्षण दिखाते हैं, उनसे सावधान रहें तथा कभी भी क्लिक न करें। आजकल साइबर अपराधियों द्वारा टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक पर फर्जी ऑनलाइन नौकरी के विज्ञापनों के जरिए नौकरी की तलाश वाले युवकों से साइबर ठगों द्वारा उपलब्ध करवाए गए मोबाइल नंबर से जीरो बैलेंस खाता खुलवाकर, कमीशन का लालच देकर या अन्य ऑनलाइन टास्क करवाकर साइबर धोखाधड़ी की राशि को उक्त युवकों के खातों में डालते हैं। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त फर्जी ऑनलाइन नौकरी के लिंक का प्रयोग कर भारी-भरकम सैलरी व विदेशों में नौकरी के झूठे ऑफर देकर नौजवान युवाओं को थाईलैंड एवं कंबोडिया आदि देशों में पहुंचाया जा रहा है, जहां पर इनके पासपोर्ट जब्त कर साइबर ठगी के काम में लगाया जाता है। साइबर अपराधी क्रिप्टोकरंसी की खरीद-फरोख्त बाइनेंस और अन्य एक्सचेंज पर अपनी पहचान छुपाकर पियर टू पियर (पीटूपी) माध्यम से धोखाधड़ी में प्रयुक्त बैंक अकाउंट से करते हैं जिससे साइबर ठगी की राशि प्रसारित होने पर वास्तविक खाताधारक का खाता पुलिस द्वारा होल्ड एवं फ्रीज कर लिया जाता है। अवैध ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट्स पर साइबर अपराधी साइबर धोखाधड़ी के पैसे को फ्रॉड अकाउंट द्वारा निवेश कर रहे हैं जिससे वास्तविक खाताधारक का खाता पुलिस द्वारा होल्ड व फ्रीज कर लिया जाता है। उपरोक्त खाताधारक का खाता होल्ड एवं फ्रीज होने पर पुलिस की जांच से गुजरना पड़ता है।

साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को चाहिए कि वे ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान संदिग्ध लिंक व अनजान मैसेज पर क्लिक न करें, अनजान मोबाइल नंबर से आ रही वीडियो/वायस कॉल न उठाएं, अनजान नंबरों से आई एपीके व अन्य फाइल डाउनलोड न करें, सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे कि टेलीग्राम व व्हाट्सएप पर ऑनलाइन टास्क न करें, गूगल सर्च से मिलने वाले फर्जी हेल्पलाइन नंबरों को डायल न करें और सुरक्षित वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें, मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग और उससे जुड़े जोखिमों के प्रति सजग रहें तथा आसान कमाई के लालच से बचें।

सबसे खतरनाक दहशतगर्दों को खदेड़ डाला!.. कौन थे नाइजीरिया के मुहम्मदू बुहारी

सूफी खान

मुस्लिम बहुल अफ्रीकी मुल्क नाइजीरिया में लगातार दो कार्यकाल पूरे करने वाले और अपने दौर में नाइजीरिया को भ्रष्टाचार की दलदल से काफी हद तक बाहर निकालकर उसे पटरी पर लाने वाले पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी का इंतकाल हो गया है, वो 82 साल के थे। उनके इंतकाल की खबर से पूरे मुल्क में गम और अफसोस की लहर दौड़ गई। सिर्फ नाइजीरिया ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उन्हें याद किया जा रहा है। भारत ने भी उनके निधन पर अफसोस जाहिर किया। भारत समेत दुनियाभर के नेता उनके इंतकाल पर दुखी हैं।

साल 2015 में मुहम्मदू बुहारी ने मुस्लिम अक्सरियत वाले देश नाइजीरिया में राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होकर इतिहास रचा था। यह पहला मौका था, जब विपक्षी पार्टी के किसी उम्मीदवार ने शांतिपूर्वक सत्ता संभाली थी। दरअसल, 1983 में पूर्व जनरल मुहम्मदू बुहारी ने बलपूर्वक सत्ता हासिल की थी। हालांकि, दो साल के अंदर ही तख्तापलट कर उन्हें उस समय सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इसके बाद वे दोबारा 2015 में चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बने और देश की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई वादे और उस पर अमल भी किया।

बुहारी उस समय सत्ता में आए, जब देश में बदलाव की सख्त जरूरत थी। अपहरण और बम विस्फोट की घटनाएं आम हो गई थीं। इसके लिए कट्टरपंथी दहशतगर्द तंजीम बोको हराम को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जिसका पूर्वोत्तर नाइजीरिया के बड़े हिस्से पर कंट्रोल था।

नाइजीरिया में आत्मघाती हमलों का दौर भी शुरू हो गया था। ऐसा ही एक हमला जुलाई 2014 में देश के उत्तरी इलाके में स्थित कडुना शहर में हुआ था। इस हमले में मोहम्मदु बुहारी को निशाना बनाया गया था। उस समय वे विपक्ष में थे। बुहारी इस हमले में बच गए, लेकिन दर्जनों लोग मारे गए थे। उस दौर में हिंसक घटनाएं चरम पर थीं। बुहारी इस क्रूरता को समाप्त करना चाहते थे। कहा जाता है कि बुहारी के दौर में नाइजीरिया को इस दहशतगर्दी से काफी हद तक निजात मिल गई थी। मुहम्मदू बुहारी ने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद खुद पद छोड़ दिया था और कहा था टीनूबू राष्ट्रपति बनें। देखा जाए तो उन्होंने खुद नाइजीरिया की कुर्सी का त्याग कर दिया था। बोको हराम जैसे दहशतगर्द संगठन को काफी हद तक नाइजीरिया से खदेड़ने में उनकी भूमिका बेहद अहम मानी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख जताते हुए लिखा, 'नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन से अत्यंत दुखी हूं। मुझे मुख्तलिफ मौकों पर हुई हमारी मुलाकातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अद्वितीय थी।'

आज का राशिफल

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष – परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन – विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क – पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह – दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मड्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या – अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला – कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक – कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु – संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ – विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन – व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

ईशा कोप्पिकर ने साझा की मानसिक स्वास्थ्य और शोहरत के पीछे छुपे मानसिक दबाव की कहानी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, जिन्हें क्या कूल हैं हम, कृष्णा कॉटेज, एक विवाह ऐसा भी, शबरी और डॉन जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदारों के लिए जाना जाता है, हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख पक्षधर बनकर उभरी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेते हुए, वह आत्म-मूल्य, इंटेंसिटी और भावनात्मक कल्याण को लेकर खुले संवाद को प्रोत्साहित कर रही हैं। एक ऐसी दुनिया में जहाँ चकाचौंध अक्सर गहरे निजी संघर्षों को छुपा देती है, उनकी ईमानदारी ताजगी भरी और बेहद ज़रूरी है।

ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

लंबे समय तक मुझे यह नहीं पता था कि 'मैं ठीक नहीं हूँ' कहना भी एक विकल्प है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी इंसानी बात है – और यह ज़रूरी नहीं कि आप चुप रहकर सब कुछ सहें। लगातार परफॉर्म करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है – फिर भी बहुत कम लोग इस बारे में खुलकर बात करते हैं। ईशा का यह कदम इन पुराने और हानिकारक सोचों को चुनौती दे रहा है जो भावनात्मक कमज़ोरी को कमजोरी समझते हैं। उनका यह सशक्त संदेश उन सभी लोगों के लिए है जो चुपचाप संघर्ष कर रहे हैं। आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं। यह एक साधारण सच है जिसे हम में से कई लोग भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहाँ हर चीज़ को फ़िल्टर और परफेक्शन के नाम पर सजाया-संवारा जाता है। असली ताक़त सब कुछ कंट्रोल में रखने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे, दयालु और ईमानदार रहने में है। कमजोरी नहीं, बल्कि vulnerability ही असली साहस है। ईशा कोप्पिकर के ये ईमानदार विचार मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल के प्रति नज़रिए को नया रूप देने में मदद कर रही हैं। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया अक्सर असुरक्षा और अवास्तविक उम्मीदों को बढ़ावा देता है, उनका संदेश दिल को छू जाता है। वह न सिर्फ़ दूसरों को अपनी पहचान का एहसास दिला रही हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को एक अहम मुद्दा बनाकर पूरे विमर्श को बदलने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

कियारा आडवाणी- सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर आई नन्ही परीनॉर्मल डिलीवरी हुई, कपल ने अनाउंस कर कहा- हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है, बेटी का आशीर्वाद मिला

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा पेरेंट्स बन गए हैं। कियारा ने मंगलवार रात को मुंबई के एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया है। कियारा सोमवार को हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं, जहां उनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है। कियारा आडवाणी और बेबी दोनों हेल्दी हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, कियारा की डिलीवरी अगस्त में होनी थी, जो अब जुलाई में हुई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने बुधवार को इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। एक पोस्ट में कपल ने लिखा है, हमारे दिल भर चुके हैं और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल चुकी है। हमें बेटी का आशीर्वाद मिला है। फैंस इस खुशखबरी के बाद कपल की बेटी की पहली झलक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताते चलें कि सिद्धार्थ और कियारा ने फिल्म शेरशाह में साथ काम

किया था। शूटिंग के सेट पर दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी। ये एक इंटिमेट वेडिंग थी, जिसमें करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के एक साल बाद फरवरी 2024 में कपल ने खूबसूरत अंदाज में गुड न्यूज शेयर की थी। कपल ने एक छोटे से सॉक्स की तस्वीर के साथ लिखा था, हमारी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गिफ्ट जल्द आ रहा है। साल 2019 में फिल्म जुग जुग जियो के प्रमोशनल इवेंट में कियारा आडवाणी ने मां बनने पर बात की थी। उस समय उनकी शादी भी नहीं हुई थी। कोईमोई से बातचीत में कियारा ने कहा था कि वो चाहती हैं उन्हें एक बेटी और एक बेटा हो। उन्होंने कहा था।

सन ऑफ़ सरदार 2 में पहली बार सरदार की भूमिका निभाएंगे रवि किशन: बहुप्रतिभाशाली स्टार का नया अवतार

अभिनेता और सांसद रवि किशन, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और विभिन्न भाषाओं में शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, अब सन ऑफ़ सरदार 2 में एक बिलकुल नए अवतार में नजर आने वाले हैं। अपने करियर में पहली बार वे पगड़ी पहनकर एक सरदार की भूमिका निभा रहे हैं – एक ऐसा किरदार जो खासकर उत्तर भारत में गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक गूंज रखता है। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रवि किशन ने अपनी इस भूमिका को लेकर उत्साह और निजी जुड़ाव साझा किया। उन्होंने कहा, ÷आपने मुझे कई किरदारों में देखा होगा, लेकिन सरदार के रूप में पहली बार देखेंगे। हमारे बिहार और यूपी के इलाके में, खासकर गोरखपुर जहां मेरी लोकसभा सीट है, वहां बहुत बड़ी सरदारों की आबादी है। 20क्क25 हजार से ज्यादा लोग हैं और दर्जनों गुरुद्वारे हैं। वहां की पूरी कम्युनिटी बहुत उत्साहित है, और अब पूरा उत्तर भारत मुझे एक सरदार के रूप में देखेगा।÷

यह नया किरदार रवि किशन के बहुआयामी करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भोजपुरी, हिंदी, तेलुगु और दक्षिण भारतीय सिनेमा में फैला हुआ है। गंभीर ड्रामा, एक्शन या कॉमेडी– हर भूमिका में वह गहराई और सच्चाई लाते हैं। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार पहले संजय दत्त के लिए लिखा गया था, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इस बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा ÷संजू बाबा को पहले ये रोल करना था, लेकिन वो नहीं हो पाया। जब अजय सर ने मुझे ऑफर किया तो मैं वाकई बहुत टेंशन में आ गया। डर लगा कि ये कैसे होगा।

लेकिन अजय सर ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा–रवि, तू कर लेगा। उसी विश्वास ने मुझे ये रोल करने की ताकत दी।÷ फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ÷कॉमेडी तो बहुत देखी है, लेकिन इस फिल्म में एक अलग तरह की कॉमेडी है–जहां एक खूबसूरत कहानी आपके दिल को छूती है। ये फिल्म सिर्फ हंसाएगी नहीं, आपको भीतर तक छू जाएगी। उन्होंने स्क्रिप्ट की तारीफ की, जिसने ह्यूमर और इमोशन के बीच शानदार संतुलन बनाया है और कहा कि फिल्म के किरदार और कहानी दर्शकों के दिलों में लंबे समय तक बनी रहेगी। इस फिल्म के जरिए रवि किशन न सिर्फ एक नया ऑन-स्क्रीन रूप लेकर आ रहे हैं, बल्कि उत्तर भारतीय दर्शकों से अपने जुड़ाव को भी और गहरा कर रहे हैं– एक ऐसी समुदाय को प्रतिनिधित्व देते हुए जिसे मुख्यधारा के सिनेमा में शायद ही इतनी प्रमुखता से दिखाया गया हो।

आप जैसा कोई के बाद आर. माधवन बोले, अब रोमांटिक फिल्मों के मौके कम मिलते हैं

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें।

फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था।

इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है।

आप जैसा कोई फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं।

फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

संगीत की दुनिया में एक चमकता सितारा, जिनकी आवाज की मिठास ने जीता श्रोताओं का दिल

संगीत का जादू हर किसी की जिंदगी में खुशी और मस्ती लेकर आता है। कुछ आवाजें ऐसी होती हैं जो कानों में नहीं, सीधे दिल में उतरती हैं और फिर वहीं बस जाती हैं। ऐसी ही एक जादुई आवाज है रूपाली जग्गा की, जो सहारनपुर की गलियों से निकलकर लाखों दिलों की धड़कन बन चुकी हैं। रूपाली अपनी मेहनत और जुनून के दम पर मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बना रही हैं। इस सफर में उन्होंने कदम-कदम पर संघर्ष और सफलता दोनों देखे हैं।

15 जुलाई 1995 को जन्मीं रूपाली को बचपन से ही संगीत से बहुत लगाव था। संगीत की उनकी इस यात्रा में उनको अपने परिजनों का भी भरपूर साथ मिला। उनके घर में कुल आठ सदस्य हैं क्क माता-पिता, दादा-दादी, दो बहनें और एक भाई। परिवार का साथ और प्यार उनके सफर की सबसे बड़ी ताकत रहा। रूपाली ने अपने करियर की शुरुआत 2013 में की, जब वह मशहूर टीवी शो इंडियन आइडल के मंच पर नजर आईं। हालांकि वह फाइनलिस्ट नहीं बन पाईं और इससे पहले ही शो से बाहर हो गईं। साल 2016 में वह टीवी शो सारेगामापा में सेकंड रनर अप रहीं। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार मेहनत करते हुए कई म्यूजिक कॉम्पटीशंस में हिस्सा लिया। साल 2017 में रूपाली को पहला बड़ा मौका मिला, जब उन्होंने कन्नड़ फिल्म सरकारी क्लासा देवरा क्लासा में कन्नु होडिबेदी गाया। इस गाने को काफी पसंद किया गया। इसके बाद 2018 में उन्होंने टीवी शो द रिमिक्स में हिस्सा लिया। यह शो काफी लोकप्रिय हुआ और यहां रूपाली ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। इस शो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया और इसे इंटरनेशनल एमी अवार्ड के लिए नामांकित किया गया। उन्होंने साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ऑपरेशन रोमियो का गाना तेरे बिन जीना क्या गाया। इसके बाद रूपाली जग्गा ने अपने करियर में सॉरी, सोनिया, आवारा शाम है, मजबूर, दिल ये दिलबरो, कांटा लगा, जन्म जन्म, ये नैना, तेरे पीछे, जोगन, पिया रंगीला, तू रब दी मेहर, चेंज सोनिया, कॉल करी जैसे शानदार गाने गाए। रूपाली ने अपने गायन से सोशल मीडिया पर भी खास जगह बनाई है। टिकटॉक पर उनकी आवाज में गाया गया बी प्राक का गाना मन भरया काफी वायरल हुआ। इस वीडियो ने उन्हें लाखों फॉलोअर्स दिलाए। टिकटॉक पर उनके 12 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स और 300 मिलियन से ज्यादा लाइक्स थे। टिकटॉक भारत में बैन हो गया था।

सावन के पहले सोमवार शिवभक्ति में लीन दिखीं भोजपुरी स्टार रानी चटर्जी

सावन का पहला सोमवार हमेशा से ही भगवान शिव के भक्तों के लिए बहुत खास होता है। यह दिन शिव जी की पूजा और आराधना के लिए समर्पित होता है। इस अवसर पर लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, बेलपत्र अर्पित करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। इसी पवित्र माह के पहले सोमवार को भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद सुंदर और भक्तिमय फोटो शेयर की है। इस फोटो में रानी चटर्जी शिवलिंग को बड़ी श्रद्धा से हाथों में उठाए दिख रही हैं। फैंस उनकी इस फोटो को काफी पसंद कर रहे हैं। रानी चटर्जी ने भगवान शिव के प्रति गहरे सम्मान और श्रद्धा को दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की। इस फोटो में वह सुर्ख लाल जोड़े में नजर आ रही हैं। वह गाड़ी में बैठी हुई हैं। इस दौरान उनके हाथ में शिवलिंग है, जिसे वह बड़ी ही आस्था के साथ गले लगा रही हैं। यह फोटो भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा को बयां करता है। इस फोटो को शेयर करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, सावन की शुभकामनाएं... भोले बाबा सबकी मनोकामना पूर्ण करें। सावन के इस शुभ अवसर पर रानी चटर्जी का यह भक्तिमय फोटो उनके चाहने वालों के लिए एक खास तोहफा जैसा है। उनके इस फोटो पर फैंस ने खूब प्यार और प्रतिक्रिया दी है। एक फैन ने लिखा, आपकी यह फोटो सुंदर और प्रेरणादायक है। वहीं दूसरे फैन ने लिखा, इस तस्वीर में आपकी भक्ति साफ दिख रही है, आप हम सबके लिए एक मिसाल हैं। अन्य ने आपकी श्रद्धा को प्रणाम, सच में आपने सावन के पहले सोमवार को और भी खास बना दिया, और शिव की सच्ची भक्त जैसे कमेंट्स किए। वहीं कुछ लोगों ने हर हर महादेव के जयकारे भी कमेंट्स में लिखे। इनके अलावा, कई फैंस ने उनके दुल्हन लुक की भी जमकर तारीफ की। बता दें कि पिछले साल सावन के मौके पर उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह अपने हाथों से शिवलिंग बनाती नजर आईं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया ने शेयर की कृति संग फोटो

क्या कंफर्म कर दिया अपना रिलेशनशिप

कृति सेनन का नाम पिछले कुछ वक्त से बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ जोड़ा जा रहा है। अक्सर दोनों कई मौकों पर साथ भी देखे गए। लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा। कृति कई इंटरव्यूज में खुद को सिंगल ही बताती रहीं। लेकिन अब ऐसा लगता है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक करने की सोच रहे हैं। क्योंकि कबीर बहिया की हालिया स्टोरी तो कुछ ऐसा ही बयां करती है।

कबीर ने शेयर की फोटो: भारत और इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच के पांचवें दिन कई बॉलीवुड सेलेब्स भी मैच देखने पहुंचे थे। इस दौरान अभिनेत्री कृति सेनन भी अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ इस मैच का लुत्फ उठाते दिखीं। दोनों की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आईं। लेकिन अब खुद कबीर बहिया ने कृति सेनन के साथ एक तस्वीर मैच के दौरान की शेयर की है। कबीर ने मैच से जुड़ी कई स्टोरी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसी में कबीर ने कृति सेनन के साथ भी एक फोटो शेयर की है। यह एक सेल्फी है जिसमें कृति कबीर के साथ खड़ी हैं। फोटो में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। पीछे लॉर्ड्स का ग्राउंड भी दिख रहा है।

रिश्ते पर दोनों ने साध रखी चुप्पी: इससे पहले भी कई मौकों पर कृति और कबीर को साथ देखा गया है। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। न ही दोनों में से किसी ने भी इस तरह से एक-दूसरे के साथ कोई तस्वीर साझा की। ऐसे में अब कबीर ने कृति के साथ ये तस्वीर शेयर करके कहीं न कहीं दोनों के रिश्ते को आधिकारिक करने का काम किया है।

'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी कृति: वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन जल्द ही आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। इस फिल्म को इसी साल 28 नवंबर को रिलीज होना है।

शेख हसीना युग के बाद भारत से दोस्ताना संबंध चाहती है बीएनपी, पार्टी के वरिष्ठ नेता का बयान

ढाका ,एजेंसी। बांग्लादेश की शीर्ष राजनीतिक पार्टी बीएनपी के एक बड़े नेता ने कहा है कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। बीएनपी नेता और पार्टी के कानूनी मामलों के सचिव केसर कमाल ने कहा कि बीएनपी एक ऐसी पार्टी है, जो सभी के साथ दोस्ती करने और किसी से दुश्मनी न करने में यकीन रखती है। यही हमारी विचारधारा है, जिसे पूर्व राष्ट्रपति शहीद जियाउर रहमान ने पेश किया था। भारत हमारा बड़ा पड़ोसी है, इसलिए बीएनपी, गरिमा, दोस्ती और एकता को बनाए रखते हुए सभी के साथ मिलकर काम करना चाहेगी।

बीएनपी को उम्मीद- निष्पक्ष चुनाव कराएगी अंतरिम सरकार : न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में केसर कमाल ने कहा कि बेशक बांग्लादेश में अभी राजनीतिक पार्टियों के बीच आपसी मतभेद हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद जताई कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश में मुक्त, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने में सफल रहेगी। केसर कमाल ने कहा 5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस सभी राजनीतिक पार्टियों के सहयोग से सरकार चला रहे हैं। सभी पार्टियों ने एकराय होकर मोहम्मद यूनुस से अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने की अपील की थी। बीएनपी को विश्वास है कि अंतरिम सरकार निष्पक्ष और मुक्त चुनाव कराने में सफल होगी।

बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में यकीन : बीएनपी नेता ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में यकीन करती है। उन्होंने कहा कि अभी अवामी लीग स्थगित चल रही है और ये कार्यकारी सरकार का फैसला है, लेकिन एक राजनीतिक पार्टी होने के नाते बीएनपी हमेशा से बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था और लोकतंत्र में यकीन रखती है। पूर्व पीएम और बीएनपी नेता खालिदा जिया के स्वास्थ्य को लेकर केसर कमाल ने कहा कि बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी न सिर्फ देश में बल्कि पूरे महाद्वीप में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक बनी। हालांकि उनकी सेहत पर डॉक्टर ही बेहतर बता सकेंगे।

अवामी लीग की सरकार में अल्पसंख्यकों पर हुआ ज्यादा अत्याचार : बीएनपी ने ये भी कहा कि पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश आकर न्याय का सामना करना चाहिए। उन पर विरोध प्रदर्शन के दौरान दो हजार मासूमों को मरवाने का आरोप है। उन्होंने ये भी कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया जा रहा है, लेकिन हिंदुओं पर अवामी लीग की सरकार में ज्यादा अत्याचार हुए। हिंदुओं पर हमले की घटनाओं पर उन्होंने कहा कि अवामी लीग के नेता या समर्थक होने के नाते उन पर हमले हुए और इसमें हिंदू मुस्लिम का कोण नहीं है।

ताइवान में चीन की सैन्य हलचल बढ़ी

ताइपे (ताइवान), एजेंसी। ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह देश के हवाई और जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सुबह 6: 00 बजे (स्थानीय समय) चीन के 18 सैन्य विमान, सात नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। 18 सैन्य विमानों में से छह मध्य रेखा को पार कर देश के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। चीन की कार्रवाई के जवाब में सशस्त्र बलों ने सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि मंत्री वेलिंगटन कू ने कल रात रन-वे की मरम्मत में जुटे सैनिकों का कुशलक्षेम जानने के लिए हुआलिएन का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि कल (15 जुलाई) भी चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और गया।

दा में हिंसक झड़पें, सेना और ड्रुज गुटों के बीच संघर्ष विराम टूटा; इस्राइल ने सीरिया को दी धमकी

दमिश्क,एजेंसी। सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में एक बार फिर हिंसक झड़पें हुईं। इसके बाद सुरक्षा बलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक के मिलिशिया समूह के बीच हुआ संघर्ष विराम टूट गया। वहीं ड्रुजों पर हुए हमलों को लेकर इस्राइल ने कड़ी चेतावनी दी है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने मिलिशिया पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सैन्य बल स्वैदा शहर के अंदर आग के स्रोत पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। जबकि निवासियों की सुरक्षा, नुकसान को रोकने और शहर छोड़कर चले गए लोगों की सुरक्षित घर वापसी कराई जा रही है।

यूके स्थित वॉर मॉनिटर सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, झड़पों की शुरुआत तब हुई जब एक ड्रूज सब्जी विक्रेता को एक बेदुइन कबीले ने अपहरण कर लूट लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच एक के बाद एक अपहरण और जवाबी हमले शुरू हो गए। यही हिंसा बड़े संघर्ष में बदल गई।

बुधवार को सरकारी बलों की भी ड्रूज़ सदस्यों के साथ झड़प हुई। जबकि सुरक्षा बलों के सदस्यों के गैर-न्यायिक हत्याएं करने, लूटपाट करने और नागरिक घरों को जलाने की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन झड़पों में कम से कम 30 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि बुधवार सुबह तक 250 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके थे, जिनमें चार बच्चे, पांच महिलाएं और 138 सैनिक और सुरक्षा बल शामिल थे।

इस्राइल ने दी धमकी : संघर्ष शुरू होने के बाद से इस्राइल ने सीरिया की सेना के काफिलों पर हवाई हमले किए। इस्राइल ने कहा कि वह ड्रूज़ की रक्षा के लिए ऐसा कर रहा है। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने कहा कि इस्राइली सेना शासन बलों पर तब तक हमला करती रहेगी जब तक वे क्षेत्र से वापस नहीं चले जाते और यदि संदेश नहीं समझा गया तो जल्द ही शासन के खिलाफ प्रतिक्रिया का स्तर भी बढ़ा दिया जाएगा।

ड्रूज समुदाय को वफादार मानता है इस्राइल : इस्राइल में ड्रूज समुदाय को आमतौर पर एक वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है, और वे इस्राइली सेना में भी सेवा करते हैं। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सभी देशों से अपील की है कि वे सीरिया की संप्रभुता का सम्मान करें और किसी भी विद्रोही या अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन न करें।

इस्राइली हमलों में 41 फलस्तीनियों की मौत, राहत वितरण केंद्र के पास भगदड़ में 20 अन्य की भी गई जान

तेल अवीव,एजेंसी। गाजा पट्टी में राहत कार्यक्रम चलाने वाले एक इस्राइल समर्थित अमेरिकी संगठन ने बुधवार को जानकारी दी कि एक वितरण स्थल के पास 20 फलस्तीनियों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, इसी दौरान इस्राइल हमलों में 41 अन्य लोगों की जान चली गई, जिनमें 11 बच्चे भी शामिल हैं।

हमास के कारण भड़की हिंसाः जीएचएफ : गाजा ह्यूमैनिटेरियन फंड (जीएचएफ) ने बताया कि दक्षिण गाजा के खान यूनिस में एक वितरण केंद्र के पास 19 लोगों की मौत भगदड़ में कुचले जाने से हुई, जबकि एक व्यक्ति की मौत चाकू से हमला होने के कारण हुई। संगठन ने आरोप लगाया कि हमास द्वारा डर और भ्रम फैलाने के कारण हिंसा भड़की। हालांकि, उसने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। यह संगठन आमतौर पर अपने वितरण केंद्रो के पास हुई गड़बड़ी को नहीं मानता।

मदद पाने की कोशिश में 850 लोगों की गई जान : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय और गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मई से अब तक करीब 850 फलस्तीनियों की मौत सहायता पाने की कोशिश करते हुए हो चुकी है। इसमें जीएफएच के वितरण स्थलों सहित अन्य केंद्र भी शामिल हैं।

उत्तरी गाजा और खान यूनुस में 41 की मौत : वहीं, इस्राइली हमलों में उत्तरी गाजा में 22 लोगों की मौत हुई, जिनमें 11 बच्चे शामिल हैं। खान यूनुस शहर में 19 अन्य की जान गई। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने बीते चौबीस घंटों में गाजा पट्टी में (हमास के) 120 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया है, जिसमें उसकी सुरंगें और हथियार भंडारण केंद्र शामिल हैं। इस्राइल का आरोप लगाता है कि हमास नागरिक इलाकों के बीच में अपने सैन्य ढांचे को छिपाता है।

इस्राइल की दबाव बढ़ाने की रणनीति : गुरुवार को इस्राइली सेना ने एक चौथा गलियारा खोलने की घोषणा की, जो खान यूनुस के बीच से होकर जाता है। यहां इस्राइली सैनिकों ने जमीन पर कब्जा किया है। सेना का कहना है कि यह हमास पर दबाव बनाने की रणनीति है। पहले भी ऐसे संकरे जमीनी गलियारे संघर्षविराम वार्ताओं में बड़ी रुकावट बन चुके हैं, क्योंकि इस्राइल इन गलियारों पर मौजूदगी बनाए रखना चाहता है।

नेपाल का संविधान जारी होने के बाद विवाहित महिला को भी पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार ~सुप्रीम कोर्ट

काठमांडू ,एजेंसी। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विवाहित महिला को भी अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने की बात कही है। हालांकि यह कानून नेपाल के नए संविधान के जारी होने के दिन से लागू करने का फैसला सुनाया गया है। पिता की संपत्ति पर अधिकार मांगने के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नेपाल का संविधान जारी होने के दिन से ही वह कानून लागू किया जाए जिसमें पिता की संपत्ति पर विवाहित बेटियों को भी बराबर का अधिकार देने की बात उल्लेख है। इस समय नेपाल में बेटियों को अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का कानून है। सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए सिर्फ अविवाहित बेटियों को ही नहीं बल्कि विवाहित बेटियों को भी संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का प्रावधान रखा। सरकार द्वारा इस संशोधन को किए जाने के बाद अदालत में संपत्ति को लेकर लंबित तमाम मुद्दों में जिला अदालत और उच्च अदालत ने बेटियों को संपत्ति में अधिकार देने का फैसला भी सुनाया। लेकिन इस कानून को कब से लागू माना जाए इसको लेकर विवाद होने के बाद अदालत ने पांच जजों की बेंच गठित कर इस पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाया है। पांच जजों में से तीन जजों ने बहुमत से यह फैसला सुनाया है कि सरकार का यह कानून संविधान जारी होने के दिन से लागू किया जाए। जबकि दो जजों का मत यह था कि पिता की संपत्ति पर सभी बेटियों का बराबर का अधिकार होना चाहिए इसमें संविधान में दिन तारीख या साल नहीं लिखा है तो इसमें विवाहित या अविवाहित नहीं देखना चाहिए।

ँसुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज कुमार शर्मा, सारंगा सुवेदी, अब्दुल अजीज तथा महेश शर्मा पौडेल के फूल बेंच ने इस पर अपना फैसला सुनाते हुए बेटियों को पिता की संपत्ति में बराबर की हिस्सेदारी देने के संसद के कानून को सही बताया है। हालांकि इनमें से न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल तथा महेश शर्मा पौडेल ने इस फैसले में सभी विवाहित महिलाओं को भी यह अधिकार दिए जाने की बात कही है।

ट्रंप का पूरा जोर टेक्सास पर, कांग्रेस में मजबूत स्थिति के लिए जीतना चाहते हैं पांच सीट

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस समय सबसे बड़ी चिंता कांग्रेस में रिपब्लिकन की मजबूत स्थिति को बरकरार रखना है। उन्होंने पार्टी के सामने टेक्सास की पांच सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ट्रंप ने कहा कि यह असंभव नहीं है। अगर मेहनत की जाए तो पार्टी पांच सीटें जीत सकती है। एनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इस समय रिपब्लिकन का टेक्सास के 38 कांग्रेसी जिलों में से 25 पर नियंत्रण रखते हैं। ट्रंप अगले सप्ताह के विशेष विधायी सत्र में पांच और सीटें बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। उनका फोकस दक्षिण टेक्सास के दो जिले हैं। यहां डेमोक्रेटिक प्रभावी हैं। पिछले साल ट्रंप ने प्रतिनिधि हेनरी क्यूएलर के जिले में 7 अंकों और प्रतिनिधि विसेंट गोंजालेज के जिले में 4 अंकों से बढ़त हासिल की थी। क्यूएलर ने अपनी सीट 6 अंकों से कम अंतर से जीती, जबकि गोंजालेज ने 3 अंकों से कम अंतर से। डेमोक्रेटिक जिलों में रिपब्लिकन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश से रिपब्लिकन-नियंत्रित जिलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। ट्रंप ने गवर्नर ग्रेग एबॉट पर इसके लिए दबाव बनाया है। स्टीव कोर्नैकी ने हाल ही में उल्लेख किया है राष्ट्रपति की पार्टी ने पिछले 15 मध्यावधि चुनाव में से 13 में हाउस सीटें गंवाई हैं। सेन जॉन कॉर्निन को राज्य के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन से रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनौती मिल रही है। एक्स पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया, टेक्सास में हिस्पैनिक मतदाता तेजी से रिपब्लिकन के पक्ष में आ गए हैं। टेक्सास रिपब्लिकन को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। डेमोक्रेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम 2028 के राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं।

अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों की मुसीबत बढ़ी, लिया जाएगा हिरासत में, जमानत पर सुनवाई भी नही होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने का पक्का मन लिया है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने काफी कठोर नीति लागू की है। इस नीति के अनुसार, बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को जमानत की सुनवाई के अयोग्य माना जाएगा। पूरे मामले की सुनवाई के दौरान उन्हें महीनों या सालों तक हिरासत में रखा जा सकता है। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, वकीलों का मानना है कि इस नीति का मकसद निर्वासन अभियान में तेजी लाना है। आईसीई को हिरासत में लिए गए प्रवासियों को सुविधाजनक तरीके से रखने के लिए अरबों डॉलर प्राप्त हुए हैं। वकीलों का कहना है कि इससे पहले ऐसे प्रवासियों को आम तौर पर आव्रजन न्यायाधीश के समक्ष जमानत की अर्जी देने का अधिकार था। इस नीति का खुलासा आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स 08 जुलाई को कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने हिरासत और रिहाई के अधिकार पर कानूनी स्थिति पर पुनर्विचार किया है। तय किया गया है कि अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले प्रवासियों को उनके निष्कासन की कार्यवाही की अवधि तक हिरासत में रखा जाएगा। आव्रजन वकीलों का कहना है कि यह नीति उन लाखों लोगों पर भी लागू होगी जो दशकों से अमेरिका में रह रहे हैं और उनमें से कई के बच्चे अमेरिकी नागरिक हैं। आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स का मानना है कि आईसीई को इस कदम के लिए कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आईसीई के एक प्रवक्ता ने द इंडिपेंडेंट अखबार से कहा कि यह नीति कानून की गलत व्याख्या के आधार पर अमेरिका की सुरक्षा के लिए अहम खामी को दूर करती है। अगले चार वर्षों में प्रवासियों को हिरासत में रखने के लिए 45 अरब डॉलर मिलेंगे। संघीय अधिकारियों का मानना है कि इस रकम से आईसीई हिरासत केंद्रों में बिस्तरों की संख्या 80,000 से 100,000 तक बढ़ाएगी।

अधिवक्ताओं का कहना है कि प्रवासियों को जमानत की सुनवाई से वंचित करने से उनके लिए अपना मामला लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा।

डलास क्षेत्र के प्रमुख वकील पॉल हंकर ने कहा, मुझे लगता है कि इस नीति से अब प्रवासियों को निर्वासित होने तक अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकेगा। सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव नोएम अब इस नियम को लागू कर रहे हैं। यह नीति वास्तव में अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए तैयार की गई है। अवैध प्रवासियों के हमदर्द चाहे जितना रोना रो सकते हैं। प्रशासन इन अपराधियों और कानून तोड़ने वालों को अमेरिकी सड़कों पर नहीं घूमने देगा।

जॉन टोरोड को नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करना पड़ा भारी, बीबीसी के शो मास्टरशेफ से बाहर

लंदन,एजेंसी। मशहूर शेफ जॉन टोरोड अब बीबीसी के चर्चित कार्यक्रम (शो) मास्टरशेफ में नजर नहीं आएंगे। उन्हें शो के प्रस्तोता पद से बर्खास्त कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई-ब्रिटिश सेलिब्रिटी शेफ और टेलीविजन एंकर टोरोड पर नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। द गार्डियन के अनुसार, टोरोड की अब इसमें वापसी की संभावना क्षीण हो गई है। इस शो की निर्माता कंपनी बनिजय यूके ने साफ किया है कि टोरोड पर लगे आरोप गंभीर हैं। इसलिए उनके अनुबंध को आगे बढ़ाया नहीं जा सकता। हालांकि जॉन टोरोड इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे 59 वर्षीय शेफ टोरोड ने सोमवार शाम माना था कि वह ऐसे एक आरोप का सामना कर रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने पूर्व सह प्रस्तोता ग्रेग वालेस के खिलाफ नस्लीय भाषा का इस्तेमाल किया था। बनिजय यूके के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा, इस आरोप को गंभीरता से लिया गया है। ग्रेग वालेस के आरोपों की जांच लुईस सिल्किन की कानूनी टीम ने की है। जांच में कहा गया है कि जॉन टोरोड ने 2018 में बेहद आपत्तिजनक नस्लवादी भाषा का प्रयोग किया था। बीबीसी के प्रवक्ता ने कहा कि टोरोड के खिलाफ आरोप कार्यस्थल पर बेहद आपत्तिजनक नस्लवादी शब्द के इस्तेमाल से जुड़ा है। जॉन टोरोड के इनकार करने से सच नहीं बदल सकता। मास्टरशेफ के लिए जॉन टोरोड का अनुबंध किसी भी कीमत पर आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। टोरोड ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर कहा, हालांकि मुझे बीबीसी या बनिजय में किसी से इस बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। मैं टीवी चैनलों में देख और समाचार पत्रों में पढ़ रहा हूं कि मुझे मास्टरशेफ से बर्खास्त कर दिया गया है। मैं फिर कह रहा हूं कि मुझे याद नहीं कि मुझ पर क्या आरोप लगाया गया है। जांच में यह भी नहीं बताया जा सका कि मैंने कब कुछ गलत कहा था। व्यक्तिगत रूप से मुझे मास्टरशेफ का हर पल बहुत पसंद आया है। अब समय आ गया है कि वह भूमिका किसी और को दे दी जाए।

अमेरिकन आइडल की सुर और संगीत विशेषज्ञ रॉबिन केय और उनके पति की हत्या

एनकिनो (कैलिफोर्निया),एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में लॉस एंजिल्स के पड़ोसी शहर एनकिनो में अमेरिकन आइडल की पूर्व सुर और संगीत विशेषज्ञ रॉबिन केय और उनके पति थॉमस डेलुका की हत्या से हर कोई सकते में है। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग (एलएपीडी) ने कहा कि इस दोहरे हत्याकांड के आरोपित 22 वर्षीय रेमंड बूडेरियन को गिरफ्तार कर लिया गया है। फॉक्स न्यूज चैनल के अनुसार, एलएपीडी ने इस बारे में मंगलवार को विज्ञप्ति जारी की। पुलिस विभाग ने कहा कि सोमवार को रॉबिन केय और उनके पति डेलुका के गोलियों से छलनी शव किलेनुमा उनकी हवेली से मिले हैं। इस संबंध में इस दंपति की एक दोस्त ने पुलिस से अनहोनी की आशंका जताई थी। पुलिस का कहना है कि महिला का शव रसोईघर और उसके पति का शव बाथरूम से मिला। जांचकर्ता पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हत्यारे ने इस हवेली में घुसने के लिए पहले दीवार फांदी। घर का एक दरवाजा खुला होने से वह अंदर घुसकर छुप गया। दंपति के घर आने पर उन्हें गोलियों से भून दिया। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध का मकसद साफ नहीं है। जासूस यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या बूडेरियन का काये और डेलुका से कोई संबंध था। अमेरिकन आइडल के प्रवक्ता ने रॉबिन और उनके पति टॉम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा रॉबिन 2009 से आइडल परिवार की आधारशिला रही हैं। रॉबिन हमेशा उनके दिलों में रहेंगी। इस कठिन समय में हम उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमला, दो पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में आज हुए आतंकी हमले में दो पुलिसकर्मियों की जान चली गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के जवानों ने इलाके को घेरकर निर्जन स्थान पर छुपे एक आतंकी को मार गिराया। डॉन अखबार की खबर के अनुसार डेरा इस्माइल खान के पुलिस प्रवक्ता याकूब खान ने बताया कि हेड कांस्टेबल गुलाम मोहम्मद और कांस्टेबल शहजाद खाना लेने कुलाची इलाके की तरफ जा रहे थे। तभी आतंकवादियों ने दोनों को गोलियों से भून दिया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और सीटीडी के जवानों ने घटनास्थल से कुछ दूर एक आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। इस बीच संघीय गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने आतंकी हमले की निंदा करते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नवंबर 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। पिछले कुछ महीनों में पेशावर, करक, बन्नू, लक्की मरवत और बाजौर में कई आतंकी हमले चुके हैं। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। आतंकवादी हमलों में मरने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 45 प्रतिशत बढ़ी है। इस साल अब तक 1,081 लोग आतंकी हमले में मारे गए हैं।

वेस्टइंडीज की शर्मनाक हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक, दिग्गजों को किया आमंत्रित

किंग्स्टन (जमैका),एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है।

सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, तुरंत प्रभाव से, मैंने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है।

इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी।

पूर्व स्पिनर दिनानाथ रामनाराइन ने बोर्ड की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखा लेख साझा किया है। उन्होंने लिखा, बोर्ड के सदस्य खुद को मनमाफिक वेतन देते हैं, खिलाड़ियों का चयन व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर होता है, और राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को कोई महत्व नहीं दिया जाता।

उन्होंने आगे कहा, जहां प्रशंसक खामोशी के साथ इस खेल से दूर होते जा रहे हैं, वहीं अधिकारी कुर्सियों से चिपके हुए हैं। हार के बाद भी कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई जवाबदेही नहीं।

रामनाराइन ने यह भी याद दिलाया कि यह वही प्रणाली है जिसकी वजह से वेस्टइंडीज को यूएसए जैसी टीम से 100 रन से हार का सामना करना पड़ा और अब 27 रन पर ऑल आउट होने जैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह बैठक केवल प्रतीकात्मक नहीं है, ये वही लोग हैं जिन्होंने हमारे क्रिकेट के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया है। उनकी दृष्टि हमारे क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में बेहद उपयोगी होगी। हमारा उद्देश्य इस बैठक से ठोस और क्रियान्वयन योग्य सुझाव प्राप्त करना है। हालांकि बैठक कब और कहां होगी, इस पर आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मगर इतना तय है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट में यह एक बड़े बदलाव की शुरुआत हो सकती है। मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर अहसान रज़ा और चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने आरोप लगाए थे ।इस मामले में आदमपुर थाने के स॰ह हरदेव सिंह ने बताया है कि फौजा सिंह के बेटे ने पुलिस को जानकारी दी गई थी। इसके बाद जांच के लिए टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। फिलहाल, उस कार का पता नहीं चल पाया है, जिसने फौजा सिंह को टक्कर मारी है। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

रवींद्र जडेजा हीरो या विलेन? ऑलराउंडर को लेकर कुंबले के इस बयान ने फैंस को चौंकाया, जानें क्या कहा

लंदन ,एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने जडेजा की पारी को चमत्कारिक बताते हुए कहा कि जडेजा के साथ निचले क्रम के बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा, लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। कुंबले ने कहा कि जडेजा भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे, लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती। जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था।

जडेजा को गेंदबाजों का चयन कर अटैक करना चाहिए था : कुंबले ने कहा, जडेजा को उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए था जिनके खिलाफ वह आक्रामक रुख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर हैं, लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी। अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया, लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए था।

नीदरलैंड्स के खिलाफ शानदार गोल के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने दी वोट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका ने इतिहास रच दिया है। वह प्रतिष्ठित पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। यह अवॉर्ड उन्हें नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में किए गए शानदार गोल के लिए मिला। इस अवॉर्ड के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने वोटिंग की थी। 21 वर्षीय दीपिका ने भारत और वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड्स के बीच खेले गए मैच में 35वें मिनट में यह गोल किया था। उस समय भारत 0-2 से पीछे चल रहा था। दीपिका ने बाएं छोर से डच डिफेंस को चीरते हुए ड्रिब्लिंग की, बेसलाइन के साथ दौड़ लगाई, एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से बॉल को चिप किया और शानदार अंदाज में गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। इस गोल ने भारत की वापसी की नींव रखी और मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद भारत ने शूटआउट में जीत हासिल की। पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड एफआईएच हॉकी प्रो लीग में किए गए सबसे रचनात्मक और स्किलफुल पलों को सम्मानित करता है और इसका फैसला दुनियाभर के हॉकी प्रशंसकों की वोटिंग से होता है। दीपिका के अलावा स्पेन की पेट्रीसिया स्किल इस अवॉर्ड के लिए नामित की गई थी।

जापान ओपन 2025: सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन दूसरे दौर में, पीवी सिंधु बाहर

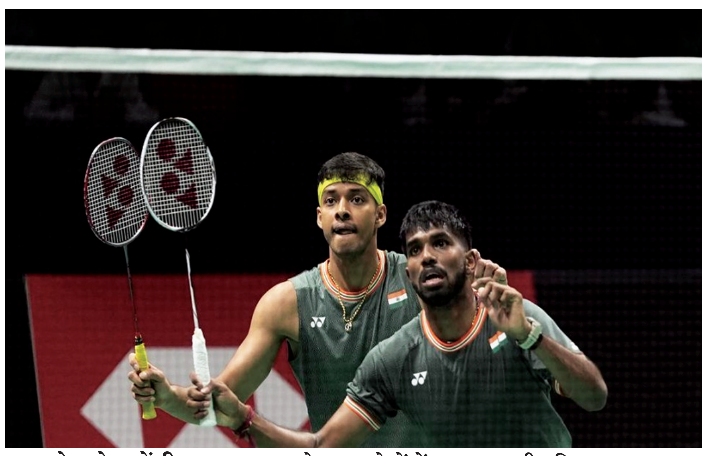

टोक्यो,एजेंसी। जापान ओपन 2025 में भारत के लिए मिश्रित नतीजे देखने को मिले। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी.सिंधु एक बार फिर पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली।

30 वर्षीय सिंधु को कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह साल 2025 में सिंधु की पांचवीं पहले दौर में हार है। सिंधु शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आईं, गलतियों की वजह से अंक गंवाती रहीं और लम्बाई का सही आकलन करने में भी संघर्ष करती दिखीं। पहले गेम में उन्होंने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिम ने वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु 1-6 से पीछे हो गईं। उन्होंने स्कोर 11-11 तक जरूर बराबर किया, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने तेजी से अंक बटोरते हुए सीधे गेमों में मुकाबला जीत लिया।

पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू को 21-18, 21-10 से मात दी। मुकाबला सिर्फ 42 मिनट चला। पहले गेम की शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन एक बार भारतीय जोड़ी ने लय पकड़ी तो उन्होंने दूसरा गेम पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन, जो इस सीजन में कई पहले दौर की हारों से जूझ चुके हैं, ने चीन के वांग झेंग शिंग को 21-11, 21-18 से हराकर जोरदार वापसी की। वर्ल्ड नंबर 18 लक्ष्य ने पहले गेम में 11-2 की बढ़त लेते हुए आसानी से जीत हासिल की। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने थोड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य की शुरुआती बढ़त निर्णायक साबित हुई। अब प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में लक्ष्य सेन का मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त और मेज़बान जापान के कोडाई नारोका से होगा।

लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड के अंक कटे, तालिका में तीसरे स्थान पर खिसका

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड की टीम बुधवार को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गई। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण उसके दो अंक काट दिए गए। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम पर टेस्ट के बाद मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रन से जीता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया। इंग्लिश टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे। भारत अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। आईसीसी ने अपने बयान में कहा, खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की न्यूनतम ओवर गति से जुड़ी धारा 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

इसमें कहा गया है, इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम होने पर टीम का प्रत्येक ओवर के लिए एक अंक काट दिया गया है। इस तरह से इंग्लैंड के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के कुल अंकों में से दो अंक काट दिए गए हैं। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में इंग्लैंड के से 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इस कारण उसका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 प्रतिशत से घटकर 61.11 प्रतिशत हो गया। श्रीलंका को इसका फायदा मिला जिसका प्रतिशत 66.67 है और वह इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

ऑस्ट्रेलिया अब तक अपने तीनों मैच जीतकर 100 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारत का अंक प्रतिशत 33.33 है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी।

विश्व कप से पहले इंग्लैंड-न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगा भारत, पाकिस्तान टीम नहीं करेगी यात्रा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत इस साल सितंबर-अक्तूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले बंगलूरू में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है।

भारतीय टीम पहला अभ्यास मैच बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र के मैदान पर 25 सितंबर को इंग्लैंड के साथ खेलेगी। दूसरा अभ्यास मैच विश्वकप शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ खेलेगी। पाकिस्तान केअभ्यास मैच 25 और 28 सितंबर को कोलंबो में श्रीलंका और श्रीलंका की ए टीमों के साथ होंगे। पचास ओवरों का विश्वकप 12 साल बाद भारतीय उपमहाद्वीप में हो रहा है। यह 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच शहरों बंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा।

अभ्यास मैचों का कार्यक्रम

25 सितंबर : बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर भारत बनाम इंग्लैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, आर प्रेमदासा स्टेडियम में बांग्लादेश बनाम श्रीलंका ए।

27 सितंबर: बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत बनाम न्यूजीलैंड। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में श्रीलंका बनाम बांग्लादेश।

28 सितंबर: बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत ए। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में पाकिस्तान बनाम श्रीलंका ए।

आईएसएल स्थगित होने के बाद सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की स्थिति को बताया बेहद चिंताजनक

नई दिल्ली,एजेंसी। चीन में 18 से 27 जुलाई तक होने वाली 11वीं एशियन वुमन यूथ हैंडबाल चैंपियनशिप में भारतीय युवा महिला टीम की कप्तानी का जिम्मा बिलासपुर की कनिष्का को पहली बार सौंपा गया है। कनिष्का के साथ हिमाचल की सात बेटियां टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय टीम 15 जुलाई को चीन के लिए रवाना होगी। कनिष्का के नेतृत्व में टीम इंडिया चीन के जिंगगांगशान शहर में होने वाली प्रतियोगिता में दम दिखाएंगी। टीम में हिमाचल की सात खिलाड़ी शामिल हैं। इन होनहार बेटियों ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में खुद को साबित किया। 70 संभावित खिलाड़ियों में से पहले 28 को शॉर्टलिस्ट किया गया और फिर उनमें से 18 का फाइनल चयन हुआ। हिमाचल की ये सात खिलाड़ी अंतिम टीम में जगह बनाने में सफल रहीं। भारतीय टीम की कप्तान और पिवोट कनिष्का, गोलकीपर नेहा चौहान, लेफ्ट बैक शिवानी देवी, लेफ्ट विंग रिद्धिमा, राइट बैक मुस्कान, सेंटर बैक गारिमा, राइट विंग शिक्षा शामिल हैं। सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी की हैं। हैंडबाल कोच स्नेहलता ने बताया कि ये सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी से प्रशिक्षित हैं। खिलाड़ियों ने हर तकनीकी और मानसिक तैयारी का शिविर में बखूबी प्रदर्शन किया। उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियन बनकर देश का परचम एशियन चैंपियनशिप में लहराएगी। टीम के साथ मुख्य कोच सचिन चौधरी, कोच मनीषा विनॉय, नवीन पुनिया और फिजियोथेरेपिस्ट मोनिका शर्मा भी रवाना होंगी।

एशिया कोर्फबाल चैंपियनशिप में दिखेगा हिमाचल का जलवा : चीन के लेशान में 15 से 20 जुलाई तक होने वाली एशिया कोर्फबाल चैंपियनशिप में प्रदेश के छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिली है। यही नहीं, भारतीय टीम के कोच भी हिमाचल से ही हैं।भारतीय कोर्फबाल संघ की ओर से घोषित टीम में बिलासपुर के दधोल स्कूल से कनिष्का ठाकुर, हर्ष राणा, राधिमा जसवाल और साक्षी, शूलिनी विश्वविद्यालय सोलन से मिली और शिमला से नव्या को शामिल किया गया है। इन युवाओं का चयन भारतीय कोर्फबाल टीम के लिए एक बड़ा मुकाम है। भारतीय टीम को हिमाचल के विनोद ठाकुर प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा में 6 से 12 जुलाई तक गहन प्रशिक्षण दिया गया। सभी खिलाड़ियों को कोर्फबाल के अंतरराष्ट्रीय नियमों और तकनीकों में दक्ष बनाया गया है।

टीम को रविवार शाम अखिल भारतीय कोर्फबाल संघ के अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा और पदाधिकारियों ने रवाना किया। प्रतियोगिता के बाद भारतीय टीम 21 जुलाई को स्वदेश लौटेगी। हिमाचल से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का चयन पहली बार हुआ है, जिससे प्रदेश के खेल जगत में खुशी की लहर है।

दिल्लीवासियों को रेखा सरकार का तोहफा, 6000 करोड़ रुपये की लागत से यहां बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर

नई दिल्ली ,एजेंसी। राजधानी की सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक के बोझ को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने इनर रिंग रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की शुरुआत की है। यह परियोजना न केवल राजधानी में यातायात की भीड़भाड़ को कम करेगी, बल्कि दिल्लीवासियों के लिए सुगम और तेज यात्रा की सुविधा भी प्रदान करेगी। इस परियोजना की लागत 5,500 से 6,000 करोड़ रुपये के बीच अनुमानित है। बताया जा रहा है कि दिल्ली सरकार के कार्यकाल के भीतर इसे पूरा किया जाएगा।

इनर रिंग रोड लगभग 55 किलोमीटर लंबी है। इसका निर्माण 1960 के दशक में शुरू हुआ था। उस समय दिल्ली की जनसंख्या 30 लाख से भी कम थी। इसका मुख्य उद्देश्य मध्य दिल्ली से ट्रैफिक को बाहर की ओर डायवर्ट करना और शहर के भीतरी हिस्सों में यातायात के दबाव को कम करना था। यह सड़क दिल्ली के प्रमुख इलाकों को जोड़ती है और मथुरा रोड, अरबिंदो मार्ग, डीएनडी फ्लाईवे और रोहतक रोड जैसे महत्वपूर्ण मार्गों से यातायात को जोड़ने का काम करती है। हालांकि, मौजूदा समय दिल्ली की जनसंख्या दो करोड़ से अधिक हो चुकी है और शहर में वाहनों की संख्या 1.4 करोड़ को पार कर गई है। इस वजह से इनर रिंग रोड पर ट्रैफिक का दबाव कई गुना बढ़ गया है। खासकर एम्स, मूलचंद, धौला कुआं, आश्रम और आईटीओ जैसे चौराहों पर जहां जाम की स्थिति रोज होती है। दिल्ली सरकार की योजना इनर रिंग रोड पर लगभग 80 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की है, जिसमें रैंप, लूप और अतिरिक्त लिंक रोड शामिल होंगे। यह कॉरिडोर मौजूदा सड़क के ऊपर खंभों पर बनाया जाएगा जिससे जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता कम होगी। इस प्रीमियम कॉरिडोर को सिग्नल-फ्री और हाईस्पीड मार्ग के रूप में डिजाइन किया जाएगा जो टोल देने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए तेज और सुगम यात्रा सुनिश्चित करेगा। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने इस की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक बताया है। उन्होंने कहा, रिंग रोड पर बढ़ते यातायात को देखते हुए मौजूदा सड़क के ऊपर इस एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण करेंगे। इसके लिए कुछ जमीन अधिग्रहीत होगी और रैंप व लूप के जरिये इसे प्रमुख मार्गों से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना के लिए पीडब्ल्यूडी ने सलाहकार नियुक्त करने और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीपीआर में तकनीकी व्यवहार्यता और यातायात डायवर्जन मॉडल की जांच की जाएगी ताकि निर्माण के दौरान व्यवधान न्यूनतम रहे।

अन्य परियोजनाओं पर भी हो रहा काम : दिल्ली सरकार मुनक नहर पर भी 20 किलोमीटर लंबा एक और एलिवेटेड कॉरिडोर बना रही है जो इंद्रलोक से बवाना तक जाएगा। इस परियोजना से 18 विधानसभा क्षेत्रों को लाभ होगा और दिल्ली-हरियाणा के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इसके अलावा, तीसरी रिंग रोड भी जल्द तैयार हो जाएगी। यह इनर और आउटर रिंग रोड पर ट्रैफिक के दबाव को कम करेगी।

यह होगा फायदा : ट्रैफिक जाम से राहत ¬ सिग्नल-फ्री कॉरिडोर के कारण इनर रिंग रोड पर जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी। खासकर पीक आवर्स में यात्रा का समय 40 फीसदी तक कम हो सकता है।

बेहतर कनेक्टिविटी ¬ यह कॉरिडोर दिल्ली के प्रमुख मार्गों जैसे मथुरा रोड, अरबिंदो मार्ग और डीएनडी फ्लाईवे को जोड़ेगा जिससे हवाई अड्डे, गुरुग्राम और राजमार्गों तक पहुंच आसान होगी।

एक करोड़ से अधिक के गबन के दो आरोपित गिरफ्तार

गोपेश्वर,एजेंसी। चमोली जिले के पोखरी विकासखंड के मसोली में संचालित बहुद्देशीय साधन सहकारी समिति के ग्रामीण बचत केंद्र से एक करोड़ 27 लाख, 70 हजार के गबन के आरोप में पुलिस ने दो आरोपितों को धर दबोचा है। पुलिस अधीक्षक चमोली सर्वेश पंवार ने बुधवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 13 जनवरी को सहायक विकास अधिकारी पोखरी राजन कुमार ने थाना पोखरी को एक एक लिखित तहरीर दी थी। इसमें सेवानिवृत्त सचिव मोहनलाल एवं आंकिक अमित सिंह नेगी पर 76 लाख 48 हजार 559 के गबन और वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया गया था। इस तहरीर के साथ अपर जिला सहकारी अधिकारी सतबीर सिंह पंवार और कपिल कुमार की अध्यक्षता में की गई विभागीय जांच रिपोर्ट को भी साक्ष्य के रूप में पेश किया गया था। इसके आधार पर थाना पोखरी में मामला पंजीकृत किया गया। उन्होंने बताया कि यह गबन साधन सहकारी समिति मसोली में वर्ष 2017 से वर्ष 2023 के मध्य किया की गई थी। मामले की गंभीरता पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित सैनी की अध्यक्षता में विशेष पुलिस टीम गठित कर जांच प्रारंभ की गई, जिसके परिणामस्वरूप दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने बताया कि जांच में ग्रामीण बचत केंद्र मसोली के कुल 962 खातों में से 162 खातों में फर्जी निकासी, जाली दस्तावेज एवं हस्ताक्षर के माध्यम से धनराशि निकालने के प्रमाण मिले है। पुलिस टीम की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर 110 खाताधारकों के बयान विशेष कैंप लगाकर उनके गांवों में दर्ज किए गए। इनमें से अधिकांश ने बताया कि उन्होंने न तो किसी निकासी फॉर्म पर हस्ताक्षर किए थे और न ही उन्हें किसी निकासी की जानकारी थी। जांच में कई फॉर्मों पर एक ही व्यक्ति के हस्ताक्षर कई खातों में पाए गए पाए गए। इससे प्रमाणित हुआ कि आरोपितों ने कई ग्रामीणों के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी की। उन्होंने बताया कि वित्तीय रिकॉर्ड के मिलान में पाया गया कि लेखा सहायक अमित सिंह नेगी एक करोड़ 15 लाख 20 हजार खातों से निकाले गए जबकि कोई भी राशि बैंक में जमा नहीं की गई तथा पूर्व सचिव मोहनलाल ने 12 लाख 50 हजार की राशि निकाली गई,।

लगातार बारिश से पश्चिम मेदिनीपुर और हुगली में बाढ़ का कहर

हुगली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रूपनारायण और मुंडेश्वरी नदियों के उफान पर रहने से आरामबाग, घाटाल, दासपुर, चंद्रकोणा समेत कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई जगहों पर नदियों का पानी खतरे के निशान को पार कर गया है।

आरामबाग के पानशिउली बाजार में रूपनारायण और मुंडेश्वरी नदियों के संगम स्थल पर दोनों नदियां उफान पर हैं, जिससे बाजार और आसपास के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। अब तक चार ग्राम पंचायतों के 50 से अधिक गांव पानी में डूब चुके हैं। खेतों में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई हैं और पक्की सड़कों पर तीन से चार फीट तक पानी जमा हो गया है। कई घरों में पानी घुस चुका है।

स्थानीय लोग नाव लेकर गांवों के अंदर से मुख्य सड़क तक पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ राहत सामग्री नहीं, पक्के रास्ते चाहिए ताकि बार-बार इस त्रासदी का सामना न करना पड़े। एक निवासी ने बताया कि अभी किसी के घर में कोई बीमार हो जाए तो बाहर ले जाना मुश्किल है। सारा सामान, खाना और गैस सिलिंडर तक नाव से लाना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम मेदिनीपुर जिले का घाटाल नगरपालिका क्षेत्र और आसपास की ग्राम पंचायतें बीते आठ दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। दासपुर इलाके में बाढ़ का पानी लगातार बढ़ रहा है। सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और रुक-रुक कर हल्की बारिश जारी है, जिससे हालात और बिगड़ने की आशंका है।

बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल से झारखंड की ओर बढ़ते निम्नचाप के असर से बुधवार तड़के कोलकाता और आसपास के इलाकों में भारी बारिश हुई । अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार यह निम्नचाप धीरे-धीरे कमजोर हो रही है लेकिन इसका असर अब भी मैदानी पश्चिम बंगाल पर बना हुआ है । आज बुधवार को कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों में गरज और चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। बुधवार दोपहर बाद से निम्नचाप का असर घटते हुए देखा जाएगा,पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर उत्तर और दक्षिण 24 परगना,बांकुड़ा और पुरुलिया जिलों में भारी बारिश की संभावना बताई जा रही है तथा तेज हवाएं 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है ।गुरुवार से रविवार तक गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी लेकिन आने वाले सोमवार 21 जुलाई को भी कुछ इलाकों में बिखरी बारिश की आशंका है । उत्तर बंगाल में बुधवार को सभी जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दार्जिलिंग कालिम्पोंग अलीपुरद्वार जलपाईगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है लेकिन गुरुवार और शुक्रवार को बारिश थोड़ी घटेगी लेकिन उमस बढ़ेगी। कोलकाता में बुधवार सुबह डेढ़ घंटे में 40 मिमी बारिश दर्ज की गई एवं दक्षिण कोलकाता और उपनगरीय क्षेत्रों में बारिश ज्यादा हुई जबकि उत्तर कोलकाता में 25 मिमी बारिश हुई। दिनभर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है जबकि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

मदरसों में 15 साल बाद शुरू होगी ग्रुप-डी पदों पर भर्ती, कलकत्ता हाई कोर्ट ने दी मंजूरी

कोलकाता, एजेंसी। राज्य के मदरसों में लंबित ग्रुप-डी पदों पर भर्ती प्रक्रिया को लेकर 15 वर्षों से जारी असमंजस आखिरकार समाप्त हो गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग को 2010 की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत भर्ती पूरी करने की अनुमति दे दी है। जस्टिस पार्थसारथी सेन की पीठ ने आदेश दिया है कि आयोग आगामी 21 दिनों के भीतर भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम प्रकाशित करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि नियुक्ति की यह प्रक्रिया 2010 में लागू भर्ती नियमों के अनुसार ही पूरी की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि राज्य के मदरसों में ग्रुप-डी कर्मचारियों के 292 पद वर्ष 2010 से रिक्त पड़े हैं। उस वर्ष वाम मोर्चा सरकार के दौरान इन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की गई थी और वर्ष 2011 में पहली बार परीक्षा आयोजित हुई थी। हालांकि, परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठने के बाद आयोग ने पुनः परीक्षा कराई और उसके बाद कई याचिकाएं अदालत में दाखिल की गईं। कई वर्षों तक कानूनी पेच में उलझे इस मामले में नियुक्ति प्रक्रिया ठप पड़ी रही, जिससे परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को नौकरी नहीं मिल सकी। इस मुद्दे पर उम्मीदवारों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बिकाशरंजन भट्टाचार्य, फिरदौस शमीम और सुमनशंकर चट्टोपाध्याय ने कोर्ट में पैरवी की। हाई कोर्ट के इस निर्देश के बाद अब करीब 300 रिक्त पदों पर बहाली की राह साफ हो गई है। यह फैसला उन सैकड़ों अभ्यर्थियों के लिए राहतभरी खबर है, जो बीते डेढ़ दशक से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे थे।

सिलीगुड़ी में बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

सिलीगुड़ी, एजेंसी। नक्सलबाड़ी में एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित का नाम सुकुमार चंद्र शील है। वह अपनी बांग्लादेशी पहचान छिपाकर और फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनवाकर भारत में रह रहा था। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को नक्सलबाड़ी की ख़ालबस्ती में छापेमारी कर बांग्लादेशी युवक सुकुमार चंद्र शील को पकड़ा। देर रात उसे नक्सलबाड़ी थाने को सौंप दिया गया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित चार महीने पहले फुलबाड़ी सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। फिर वह बागडोगरा और नक्सलबाड़ी आया। बाद में उसने कालियागंज जाकर आधार कार्ड बनवाया था। इसके बाद नक्सलबाड़ी में किराए के मकान रहकर नाई का काम कर रहा था। गिरफ्तार युवक के पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र और भारतीय आधार कार्ड बरामद किये गये हैं।

आईआईएम जोका मामला : पुलिस को संदेहास्पद लग रहा पीड़िता का आचरण

कोलकाता,एजेंसी। आईआईएम जोका परिसर में एक युवती के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पुलिस के लिए यह मामला उतना ही उलझता जा रहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पीड़िता के दावे को लेकर नए सिरे से जांच शुरू की गई है और उसकी भूमिका भी अब संदिग्ध लगने लगी है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी पीड़िता गोपनीय बयान देने के लिए अलीपुर कोर्ट नहीं पहुंची। पुलिस ने बताया कि लगातार संपर्क की कोशिशों के बावजूद उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

एसआईटी अधिकारियों की नाराजगी, सहयोग नहीं कर रही पीड़िता : विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पीड़िता की तरफ से लगातार सहयोग नहीं मिल रहा है, जिससे जांच की दिशा पर असर पड़ रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस तरह का व्यवहार संदेह की स्थिति पैदा कर रहा है। शनिवार को अलीपुर कोर्ट में पीड़िता का बयान दर्ज कराया जाना था, लेकिन वह नहीं आई। मंगलवार को भी यही स्थिति बनी रही। यहां तक कि दक्षिण 24 परगना स्थित उसके घर पहुंचने के बाद भी पुलिस को निराशा हाथ लगी।

शुक्रवार को आईआईएम जोका के हॉस्टल में युवती के साथ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद हरिदेवपुर थाने की पुलिस ने दूसरे वर्ष के एमबीए छात्र परमानंद महाबीर टोप्पनाबर उर्फ परमानंद जैन को 'लेक व्यू' हॉस्टल के कमरे संख्या 151 से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिकायत दर्ज होने के बाद से ही पीड़िता मेडिकल जांच के लिए राजी नहीं हुई है, न ही उसने अपने कपड़े सौंपे जिन्हें डीएनए परीक्षण के लिए भेजा जा सके। ऐसे में पुलिस को अब आरोपित के कपड़ों के जरिए फॉरेंसिक जांच करानी पड़ रही है।

मादक द्रव्यों के सेवन का एंगल भी जांच में : पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस आधार पर पुलिस ने आरोपित और पीड़िता के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स, सोशल मीडिया चैट्स और घटनास्थल से लिए गए खाद्य पदार्थ और पानी के नमूनों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। पुलिस आरोपित को लेकर घटनास्थल पर जाकर क्राइम सीन की पुनर्निर्माण प्रक्रिया भी कर रही है।

हनी ट्रैप में फंसाने की धमकी देकर ऐंठे नब्बे लाख

जयपुर, एजेंसी। महेश नगर थाना इलाके में एक व्यवसायी को युवती ने हनी-ट्रैप में फंसाकर नब्बे लाख रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि आरोपित महिला ने दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर पचास लाख रुपये की डिमांड की। इस संबंध में थाने में पीड़ित व्यवसायी ने आरोपित युवती के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने बताया कि सांगानेर निवासी 42 वर्षीय व्यवसायी ने मामला दर्ज करवाया है कि वह एक कंपनी के निदेशक है और वर्ष 2017 में उसकी कंपनी से समर इंटर्नशिप कर आरोपित युवती ने नौकरी शुरू की थी। जिसके बाद सोशल मीडिया के जरिए व्यवसायी से सम्पर्क करने की कोशिश की। ध्यान नहीं देने पर व्यवसायी की पत्नी से दोस्ती कर मिलना-जुलना शुरू कर दिया। इसके बाद व्यवसायी के नजदीक आ गई। इसके बाद झूठे प्रेमजाल में फंसाकर शादी करने का झांसा देकर जरूरत के नाम पर रुपये वसूलना शुरू कर दिया। इसके बाद से आरोपित युवती ने झूठ बोलकर अलग-अलग तरीके से नब्बे लाख रुपए ऐंठ लिए। बाद में रुपये देने से मना करने पर दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी दिलवाकर पचास लाख रुपये की डिमांड की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

बंद कमरे में मिला पति-पत्नी का शव

जलपाईगुड़ी, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के खरिया ग्राम पंचायत अंतर्गत गदाधर कॉलोनी इलाके में एक बंद कमरे से पति-पत्नी का शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतकों की पहचान संतोष बर्मन (55) और उनकी पत्नी लीना बर्मन (50) के रूप में हुई है। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि पति ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सूत्रों के अनुसार, संतोष बर्मन लगभग छह महीने पहले एक पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद से वह कोई काम नहीं कर पा रहे थे। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद से ही वे मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे थे। स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार, संतोष और लीना बर्मन के बीच अकसर झगड़े और विवाद होते रहते थे। मंगलवार रात दोनों ने खाना खाने के बाद हमेशा की तरह अपने कमरे में सोने चले गए। बुधवार सुबह जब वे काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकले, तो उनके बेटे को शक हुआ। उन्होंने दरवाजा खटखटाया और पुकारा, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इस दौरान आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए। काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर जब दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर का दृश्य देखकर सबके होश उड़ गए। बेड पर पत्नी लीना बर्मन की खून से लथपथ लाश पड़ी थी। उसके गले पर धारदार हथियार से काटे जाने के निशान थे। वहीं, कमरे के भीतर ही संतोष बर्मन की लाश फंदे से झूलती मिली।

तुरंत ही कोतवाली थाने को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि पति ने मानसिक तनाव और पारिवारिक कलह के चलते पहले पत्नी की हत्या की और फिर आत्महत्या कर ली। फिलहाल मामले की जांच जारी है। नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।प्रदूषण में कमी ¬ ट्रैफिक जाम कम होने से वाहनों का उत्सर्जन कम होगा जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।जो उनकी अधिकृत सीमा से बाहर थी। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सहकारी समिति के अन्य अधिकारियों, सदस्यों और लेखाकारों की भूमिका की भी विवेचना की जा रही है।

लॉटरी की दुकानों और कूड़े के बीच बदहाल स्थिति में नेताजी की प्रतिमा

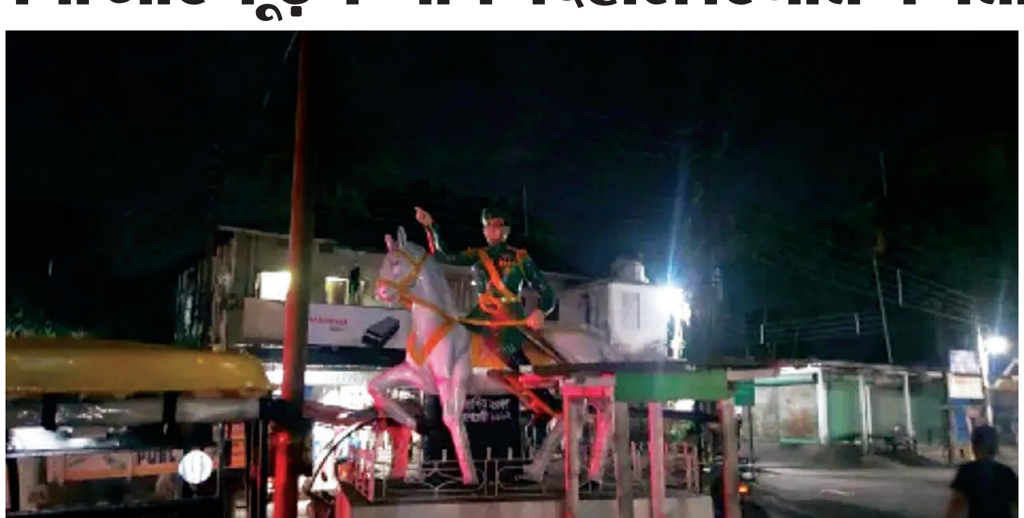

जलपाईगुड़ी,एजेंसी। महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा के आसपास गंदगी का अंबार। यह मंजर जलपाईगुड़ी जिले के बानरहाट ब्लॉक अंतर्गत गयेरकाटा बाजार की है जहां नेताजी की प्रतिमा के आसपास गंदगी और अव्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेताजी की प्रतिमा के चारों ओर शाम होते ही लॉटरी की दुकानें सज जाती हैं। प्रतिमा के पास ही कूड़ा-कचरा और गंदगी फेंकी जाती है। यह स्थिति वर्षों से बनी हुई है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से कोई ठोस पहल नहीं हुई है। स्थानीय निवासी और वरिष्ठ नागरिक बादल पाल ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस और नेताजी की जयंती पर वे स्वयं ही प्रतिमा को साफ कर माल्यार्पण करते हैं। न तो सरकार और न ही कोई संस्था इस दिन कोई कार्यक्रम आयोजित करती है। जबकि नेताजी की इस प्रतिमा के बिल्कुल पास ही सांकॉयाझोड़ा-1 ग्राम पंचायत कार्यालय और दो स्कूल स्थित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षों पहले नेताजी की प्रतिमा यहां स्थापित की गई थी। वर्ष 1992 में उसे हटाकर एक नई प्रतिमा लगाई गई, जिसके बाद यह स्थान नेताजी मोड़ के नाम से प्रसिद्ध हो गया। कुछ साल पहले इलाके को रोशन करने के लिए एक ऊंचा लाइट पोस्ट लगाया गया था, लेकिन अब वह भी बंद पड़ा है। नतीजतन, शाम के बाद पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहता है। ग्राम पंचायत की उदासीनता को लेकर लोगों में रोष है। कई बार पंचायत को सूचित किए जाने के बावजूद कुछ भी नहीं किया गया। जब इस संबंध में सांकॉयाझोड़ा-1 की प्रधान श्रावणी दे घोष से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे बैठक में हैं। पंचायत के उपप्रधान गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि उन्हें इस विषय की जानकारी नहीं थी, लेकिन वे अगली पंचायत बैठक में इसे उठाएंगे और उचित प्रकाश व्यवस्था एवं साफ-सफाई के लिए कदम उठाएंगे। गयेरकाटा नागरिक मंच के सचिव संजय देवनाथ ने बताया कि नेताजी की प्रतिमा के पास शाम होते ही लॉटरी की दुकानें लग जाती हैं और लोग कचरा फेंकते हैं। न स्वतंत्रता दिवस, न गणतंत्र दिवस और न ही नेताजी की जयंती पर कोई श्रद्धांजलि दी जाती है। यह बेहद दुखद स्थिति है। स्थानीय व्यापार संघ के सचिव सुरेन सालगी ने कहा, एक स्वतंत्रता सेनानी की हम सभी के लिए शर्म की बात है।

कर्नल बाठ और उनके बेटे के साथ मारपीट की जांच करेगी सीबीआई - हाई कोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच

चंडीगढ़, ,एजेंसी। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने पटियाला में भारतीय सेना के कर्नल पुषपिंदर बाठ और उनके बेटे के साथ हुई मारपीट मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश जारी किए हैं। हाई कोर्ट ने बुधवार को यह आदेश जारी किए हैं।

पटियाला में 13-14 मार्च की रात को कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे से मारपीट की गई थी, तब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी। इसके बाद मामला रक्षा मंत्रालय और आर्मी हेडक्वार्टर पहुंचा तो पुलिस ने 9 दिन बाद आरोपितों के नाम के साथ मामला दर्ज करके 12 पुलिसवालों को निलंबित कर दिया था। इसमें 5 इंस्पेक्टर भी शामिल थे। इसके बाद हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को मामले की जांच सौंपी थी।

हाई कोर्ट में इस केस की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि एसआईटी को केस ट्रांसफर हुए भी तीन महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी इस मामले में कोई भी आरोपित गिरफ्तार नहीं किया गया है। अदालत ने सारे तथ्यों पर पड़ताल की थी। इसके बाद यह मामला चंडीगढ़ पुलिस को सौंपा गया था। साथ ही इस मामले की जांच अगस्त महीने तक पूरी करने के आदेश दिए गए थे। अदालत ने माना कि यूटी पुलिस मामले की निष्पक्ष और प्रभावी जांच करने में विफल रही।कर्नल बाठ की पत्नी जसविंद्र कौर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अदालत का यह फैसला राहत देने वाला है, क्योंकि अब उम्मीद है कि सच्चाई सामने आएगी। जल्द ही अदालत की ओर से औपचारिक आदेश भी जारी किया जाएगा, जिसमें यह भी स्पष्ट होगा कि सीबीआई को कितने समय में जांच पूरी करनी है।

स्वत्वाधिकारी,प्रकाशक,संपादक रामविलास शर्मा, मुद्रक द्वारा बालाजी ऑफसेट प्रिंटर्स शहजाद बाग दयाबस्ती दिल्ली से मुद्रित व एल-29/12 गली नं. 7, जय प्रकाश नगर गौण्डा दिल्ली-53 से प्रकाशित।
संपादक रामविलास शर्मा, आर. एन.आई. पंजीयन नं. DELHIN/2008/24448 मो.9329077393